पटना ● शनिवार, 24 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:224 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

केविवि व भाभा कैंसर अस्पताल और... 3 www. bordernewsmirror.com सनी लियोनी की फिल्म... 8

घाटी में आतंकी संगठन लश्कर का मददगार हो गया गिरफ्तार

कठुआ बॉर्डर पर संदिग्ध गतिविधि के बाद सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय सेना ने लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गुरुवार की शाम गिरफ्तार किया। वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मददगार है। उसकी पहचान जहीर हुसैन शाह के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का रहने वाला है। सुरक्षाबलों ने उसे एलओसी पर चकन दा बाग के पास वाले इलाके में घुसपैठ के बाद पकड़ा। घुसपैठिए से अभी पूछताछ की जा रही है। दूसरी तरफ, कठुआ बॉर्डर पर जांडोर इलाके में गुरुवार रात में दो लोगों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। आखिरी रिपोर्ट मिलने तक सर्च ऑपरेशन जारी था।

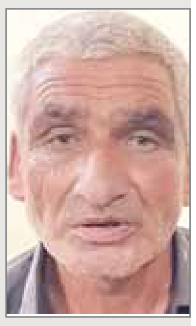

जेलेंस्की को गले से लगाया, फिर रखा कंधे पर हाथ

● यूक्रेन में पीएम मोदी का दिखा जुदा अंदाज, 3 घंटे तक की बैठक ● रूस और यूक्रेन जंग में मारे गए बच्चों को पीएम ने दी श्रद्धांजलि

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन में ढाई साल से जारी जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को यूक्रेन पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। दोनों नेता यूक्रेन नेशनल म्यूजियम पहुंचे, जहां उन्होंने जंग में मारे गए बच्चों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने बच्चों के मेमोरियल पर डॉल भी रखी। इससे पहले मोदी 10 घंटे की ट्रेन यात्रा करने के बाद भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे कीव पहुंचे। वे यहां 7 घंटे बिताएंगे। कीव में भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी का स्वागत किया। पीएम ने फोमिन बोटैनिकल गार्डन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यूक्रेन के दौरे पर जाने वाले पीएम मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। 1991 में सोवियत संघ के टूटने के बाद यूक्रेन की स्थापना हुई थी। तब से लेकर आज तक कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री यूक्रेन नहीं गया था। पीएम मोदी का ये दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि 24 फरवरी 2022 को रूस के हमले के बाद से अब तक नाटो देशों के अलावा किसी अन्य देश के नेता ने यूक्रेन का दौरा नहीं किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ महीने पहले पीएम मोदी को यूक्रेन आने का न्योता दिया था। जेलेंस्की से उनका मिलने का अंदाज काफी जुदा रहा। पीएम मोदी ने आगे बढ़कर जेलेंस्की से हाथ मिलाने के बाद उनको गले लगाया। इसके बाद वह जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखकर उनके साथ बातचीत करते रहे। मोदी और जेलेंस्की की ये मुलाकात मार्टिरोलॉजिस्ट प्रदर्शनी में हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कीव में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हो रहे पीएम मोदी के एक दिन के कीव दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। 1991 के बाद से यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा है। नरेंद्र मोदी अपनी रूस यात्रा के करीब डेढ़ महीने बाद यूक्रेन पहुंते हैं। मोदी के रूस जाने पर यूक्रेन ने सख्त एतराज जताया था और जेलेंस्की ने इसके लिए नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने मोदी और पुतिन के गले मिलने को भारी निराशा और शांति प्रयासों के लिए झटका कहा था। अमेरिका ने भी मोदी के रूस दौरे से नाखुशी जाहिर की थी। विश्लेषकों का कहना है कि यात्रा के समय का उद्देश्य भारतीय नेता की 8-9 जुलाई की रूस यात्रा के बाद की स्थिति को नियंत्रित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कीव पहुंचे तो वहां मौजूद भारतीय प्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम ने लिखा कि कीव पहुंचा तो भारतीय समुदाय ने स्टेशन पर शानदार स्वागत किया।

नेपाल में बड़ा हादसा, यूपी की बस नदी में गिरी

● 15 यात्रियों की मौत, 25 से अधिक की तलाश जारी ● पर्यटकों से भरी थी बस, 43 लोग सवार थे, कई लापता

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी के गोरखपुर से पर्यटकों को लेकर नेपाल गई एक भारतीय बस शुक्रवार को पोखरा से काठमांडू के बीच तनहु जिले के अबुखैरेनी में मार्सयांगडी नदी में गिर गई है। बस में कुल 43 लोग सवार थे। अब तक 15 शव निकाले जा चुके हैं जबकि बाकी लापता हैं। सभी यात्री महाराष्ट्र के रहने वाले थे। बस गोरखपुर के केसरवानी ट्रैवल्स की बताई जा रही है। बस का ड्राइवर मुर्तजा गोरखपुर का रहने वाला था, हादसे में उसकी भी मौत हो गई है। तनहु के एसपी बीरेंद्र शाही ने बताया कि मार्सयांगडी नदी में बस अंबुखैरेनी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर 2 स्थित ऐन पहरा से नदी में गिर गई। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी में मौके पर पहुंच गए हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। पोखरा से काठमांडू जाने वाली बस नम्बर यूपी 53 एफटी 7633 बताया गया है। बस में चालक-परिचालक समेत 43 लोगों के सवार होने की जानकारी सामने आ रही है। पुलिस राहत बचाव के लिए पहुच गयी है। नेपाल पुलिस ने बताया कि बचाव कार्य चल रहा है।

● सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल बस हादसे का संज्ञान लिया है। सीएम योगी के निर्देश पर रिलीफ कमिश्नर जीएस नवीन ने नेपाल सरकार के अधिकारियों से बात की। नेपाल में तैनात भारतीय पुलिस के सीनियर अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेट किया जा रहा है। यूपी सरकार के रिलीफ कमिश्नर ने बताया कि यह एक ट्रैवलर बस थी। इसलिए बस में यूपी और दूसरे राज्यों के लोगों के होने की भी संभावना है। नेपाल के अधिकारियों से संपर्क करके लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। महराजगंज के एसडीएम और एडीएम को नेपाल भेजा गया है। बस के मालिक विष्णु केसरवानी ने बताया कि हमारी तीन बसें गोरखपुर से नेपाल गईं थीं। इनमें महाराष्ट्र के लोग थे।

एमपी के महू में छत गिरी, 5 लोगों की मौत

शव निकालने लगानी पड़ी 3 जेसीबी व 1 पोकलेन

महू (एजेंसी)। इंदौर के पास महू के चोरल गांव में एक निर्माणाधीन फार्म हाउस की छत गिर गई। हादसे में 5 मजदूरों की मौत हो गई। घटना गुरुवार देर रात की है। शुक्रवार सुबह ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो हादसे का पता लगा। उन्होंने सिमरोल पुलिस को सूचना दी। पुलिस-प्रशासन की टीम ने तीन जेसीबी और एक पोकलेन की मदद से राहत-बचाव कार्य शुरू किया। करीब तीन घंटे चले रेस्क्यू के दौरान एक-एक कर पांचों मजदूरों के शव निकाले गए। मृतकों में दो सगे भाई और कॉन्ट्रेक्टर भी शामिल हैं। एसपी हीतिका वासल ने बताया कि 2 मजदूर इंदौर, 2 शाजापुर और 1 राजस्थान का रहने वाला था। गुरुवार को काम खत्म होने के बाद रात में खाना खाकर निर्माणाधीन इमारत में ही सोए थे। मालिक की लोकेशन पता लगाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। पटवारी प्रकाश सोनी ने कहा कि खसरे पर फार्म हाउस मालिक का नाम ममता पति कन्हैया लाल और अनाया पति भरत डेमला दर्ज है, जो इंदौर के रहने वाले हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छत लोहे के एंगल पर डाली गई थी, जो उसका वजन नहीं सह सके। फॉर्म हाउस के मालिक भरत एडवोकेट है। उनके पिता पिता कन्हैया लाल हाईकोर्ट में वकील है।

कोलकाता और बदलापुर के बाद अब असम शर्मसार

● नाबालिग के साथ हुआ गैंगरेप, ऐक्शन में हिमंता सरमा

दिसपुर (एजेंसी)। असम में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। आरोप है कि गुरुवार शाम यह लड़की ट्यूशन क्लास से अपने घर वापस लौट रही थी। उसी दौरान यह घटना हुई है। पुलिस के मुताबिक घटना असम के नागांव जिले की है। नाबालिग के साथ गैंगरेप को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। स्थानीय लोग इसको लेकर इलाके में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न संगठनों और निवासियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक अनिश्चितकालीन बंद की मांग की है। गौरतलब है कि बीते दिनों कोलकाता में डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पूरे देश में गुस्सा भड़का हुआ हैं। वहीं, कुछ दिनों पहले बदलापुर में स्कूल में मासूमों के साथ रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक स्थानीय लोगों को यह 14 वर्षीय लड़की अर्धनग्न हालत में सड़क के किनारे बेहोशी की हालत में मिली। यह मामला गुरुवार शाम सात बजे का है। इसके बाद लड़की को पुलिस इलाज और मेडिकल परीक्षण के लिए नागांव मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल ले गई। नागांव के एसपी स्वप्निल डेका ने पत्रकारों से बताया लड़की का बयान महिला पुलिस अधिकारी द्वारा दर्ज किया गया है। लड़की के मुताबिक तीन लोगों ने उसका रेप किया है।

हो सकता है मेरी जानकारी निकालने दी गई हो सुरक्षा

● जेड प्लस सुरक्षा के बाद शरद पवार को सता रही है चिंता

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार को हाल ही में केंद्र सरकार ने जेड+ सुरक्षा प्रदान की है। खबरें हैं कि पवार हैरानी जता रहे हैं कि नई सुरक्षा मेरे बारे में प्रमाणिक जानकारी निकालने का एक तरीका हो सकता है। जेड प्लस सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है। महाराष्ट्र में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पवार ने कहा, गृहमंत्रालय के एक सूत्र ने मुझे बताया कि सरकार ने तीन लोगों को जेड प्लस सुरक्षा देने का फैसला किया है और उनमें से एक मैं हूं। मैंने पूछा कि दो अन्य लोग कौन हैं, तो मुझे बताया कि एक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हैं। उन्होंने कहा, चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हो सकता है कि (मेरे बारे में) प्रमाणिक जानकारी निकालने की व्यवस्था की जा रही हो। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से महाराष्ट्र के 83 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा है। इस कार्य के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम को तैनात किया गया है। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आंकलन की समीक्षा में पवार को मजबूत सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने उन्हें जेड प्लस श्रेणी का सुरक्षा घेरा प्रदान किया है। सूत्रों के अनुसार सीआरपीएफ की एक टीम इस कार्य को करने के लिए पहले से ही महाराष्ट्र में है। जेड प्लस सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है। वीआईपी सुरक्षा श्रेणी का वर्गीकरण उच्चतम जेड प्लस से शुरू होता है।

5 सितंबर तक जेल में ही रहेंगे सीएम केजरीवाल

सीबीआई ने मांगा और वक्त, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अब पांच सितंबर तक जेल में ही रहने वाले हैं। सीबीआई ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से और वक्त मांगा है, ऐसे में अगली सुनवाई 5 सितंबर को होने वाली है। वैसे पहले यही सुनवाई आज शुक्रवार को होनी थी, तब कहा गया था कि अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल सकती है। लेकिन इस सुनवाई का टलना ही केजरीवाल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वैसे इस कथित शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया को जमानत मिल चुकी है। उसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी बाहर आ सकते हैं। बड़ी बात यह है कि ईडी मामले में तो केजरीवाल को जमानत पहले ही मिल चुकी है, वे तो जेल में इसलिए हैं क्योंकि सीबीआई ने भी उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। इस बार जो सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी, वो भी इस सीबीआई वाले केस को लेकर ही थी लेकिन बताया जा रहा है कि सीबीआई को जांच करने के लिए थोड़ा वक्त और चाहिए, उसके बाद ही वो कोर्ट में अपना विस्तृत जवाब रख पाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को अतिरिक्त समय दे दिया है, ऐसे में अब 5 सितंबर को केजरीवाल की किस्मत तय होने वाली है। तब पता चलेगा कि सिसोदिया के बाद क्या उन्हें भी राहत मिलती है या नहीं। वैसे अरविंद केजरीवाल खुद के लिए राहत की उम्मीद इसलिए लगा रहे हैं क्योंकि मनीष सिसोदिया को जिन आधार पर जमानत मिली है, वो मायने रखती है।

असल में सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा है कि किसी भी मामले में जेल को अपवाद मानना चाहिए और बेल हर किसी का अधिकार है। इसी वजह से अरविंद केजरीवाल भी जमानत को अपना हक मानते हैं, वे तो लगातार यहां तक कहते आ रहे हैं कि जांच एजेंसी को उनके खिलाफ एक सबूत नहीं मिला है। आम आदमी पार्टी भी यही दावा कर रही है कि फर्जी मामले में बीजेपी के दबाव में आकर उनके नेताओं को अंदर किया गया है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर बढ़ेगी बीजेपी की टेंशन

चिराग, चंद्रबाबू के बाद नीतिश की पार्टी ने भी त्योरी भौंह

पटना (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बीजेपी को एक और सहयोगी से झटका लगता दिख रहा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनाने में अहम सहयोगी जनता दल युनाइटेड (जेडीयू) ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर चिंता जताई है। गौर करने वाली बात यह है कि एनडीए खेमे में जेडीयू तीसरी पार्टी है जिसने इस बिल को लेकर अपनी अलग राय रखी है। इससे पहले चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस विधेयक पर सवाल उठा चुकी है। वहीं आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी ने भी इससे नाखुश है। माना जा रहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की 18 फीसदी मुस्लिम आबादी को नाखुश नहीं करना चाहती है। इसलिए वह प्रस्तावित कानून में बदलाव चाहती है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर जेडीयू का रेड सिग्नल इसलिए मायने रखता है क्योंकि लोकसभा की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के संसदीय दल के नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने खुलकर इस बिल का समर्थन किया था।

बांग्लादेश में बाढ़ के लिए हमारा भारत जिम्मेदार नहीं

विदेश मंत्रालय ने साफ की अपनी स्थिति, जारी किया बयान

यूनुस सरकार का आरोप-चेतावनी बगैर डैम से पानी छोड़ा

ढाका (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि बांग्लादेश में आई बाढ़ के लिए भारत जिम्मेदार नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा, बांग्लादेश में यह अफवाह है कि बाढ़ की वजह त्रिपुरा में डंबूर बांध का दरवाजा खोलना है। यह सच नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि भारत और बांग्लादेश से होकर बहने वाली गोमती नदी के आस-पास के इलाके में इस साल की सबसे ज्यादा बारिश हुई है। इस वजह से दोनों तरफ समस्या हुई है। दोनों देशों के बीच मौजूद नदियों में आने वाली बाढ़ एक साझा समस्या है, जिससे दोनों देशों के लोगों को जूझना पड़ता है। इससे निपटने के लिए दोनों देशों के सहयोग की जरूरत है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि डंबूर बांध बांग्लादेश की सीमा से 120 किलोमीटर से अधिक दूर है। यह कम ऊंचाई (करीब 30 मीटर) का बांध है, जो बिजली पैदा करता है और वह बिजली ग्रिड में जाती है। इससे बांग्लादेश को भी त्रिपुरा से 40 मेगावाट बिजली मिलती है। दरअसल बांग्लादेश में 12 जिलों में भीषण बाढ़ आई है। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में 36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। सैकड़ों घर पानी में डूब गए हैं और लोग छतों पर फंसे हुए हैं।

अलकायदा से जुड़े रांची के डॉक्टर इश्तियाक के तार

● अलकायदा मॉड्यूल का मास्टरमाइंड निकला, हथियार, कई फोन मिले

रांची (एजेंसी)। झारखंड एटीएस ने दिल्ली पुलिस के साथ गुरुवार को रांची, हजारीबाग और लोहरदगा में 16 जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद 9 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इसमें रांची के मेडिका अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के पद पर कार्यरत डॉ. इश्तियाक अहमद को भी एटीएस ने पकड़ा है। रांची के जोड़ा तालाब स्थित अपार्टमेंट से पकड़ा गया डॉ. इश्तियाक 6 साल से रेडियोलॉजिस्ट के पद पर था। एटीएस का दावा है कि डॉ. इश्तियाक अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट आतंकी संगठन का मास्टरमाइंड है। वह भारत को इस्लामिक स्टेट बनाने का मंसूबा रच रहा था। एटीएस ने चान्हो के 6 स्थानों में दबिश दी। 4 लोगों को हिरासत में लिया। 3 लोग नहीं मिले। हिरासत में लिए गए लोगों में बलसोकरा का मो. मोदब्बीर, मो. रिजवान, चटवल का मफ्ती रहमतुल्लाह मजहिरी और पिपराटोली का मतिउर रहमान शामिल है। वहीं एनामुल अंसारी और शहबाज घर में नहीं मिले। परिजनों ने बताया गया कि एनामुल परीक्षा देने दिल्ली गया है। शहबाज तबलीगी जमात में गया है। टीम ने हजारीबाग के लोहसिंघना चौक से फैजान अहमद (45) को हिरासत में लिया है। फैजान को डॉ. इश्तियाक अहमद का करीबी बताया जा रहा है।

बेगूसराय में रोज 3 लाख अंडे का हो रहा उत्पादन

सबसे अधिक प्रोडक्शन लडुआरा गांव में होता, यहां से 1 लाख अंडे की होती सप्लाई

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय और आसपास के जिलों का बाजार अब आंध्र प्रदेश में उत्पादित अंडा पर निर्भर नहीं है। बल्कि अब बेगूसराय में ही बड़े पैमाने पर अंडा का उत्पादन किया जा रहा है। बाजार के अनुमान के मुताबिक सीजन में यहां प्रत्येक दिन करीब 4 लाख अंडे की खपत है, जिसमें से 3 लाख अंडे बेगूसराय के विभिन्न जगहों पर बनाए जा रहे हैं। इसमें सबसे अधिक अंडा बेगूसराय सदर प्रखंड के लडुआरा गांव में बन रहा। यहां के 8 मुर्गी फार्म में प्रत्येक दिन लगभग 1 लाख अंडों का उत्पादन किया जा रहा है। इस व्यवसाय से न सिर्फ बड़ा स्वरोजगार खड़ा हुआ, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिला है। बेगूसराय में करीब 25 अंडा फार्म है और प्रत्येक अंडा फार्म में 7 से 10 मजदूर काम कर रहे हैं। सदर प्रखंड के लडुआरा निवासी गालिब शाहीन के पुत्र गौहर शाहीन और रमीज राजा ने ऐसा ही 22 हजार मुर्गियों का अंडा फार्म खोला है। ग्रेजुएशन कर चुके रमीज राजा को 2017 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की मैट्रिक पास करने के बाद आंख में कुछ समस्या आई तो गांव में ही रहकर कुछ बेहतर बिजनेस करने की सोच रहे थे। उन्होंने अपने भाई और पिता के सामने जब यह बात रखी तो पिता भी उत्सुक हुए और कुछ नया बिजनेस शुरू करने को कहा।

यू-ट्यूब से आइडिया ली

मोबाइल पर नए-नए बिजनेस का आइडिया देख रहे थे। तभी एक दिन यूट्यूब पर अंडा के धंधा के संबंध में देखा। इसके बाद लगातार यूट्यूब पर देखने लगे कि आखिर यह धंधा कैसे हो सकता है। पास में अधिक पैसे नहीं थे, पिता गालिब शाहीन ने 9 कट्ठा जमीन बेची, कुछ पैसे पास में थे। कुल मिलाकर 35 लाख की लागत से धंधा शुरू कर दिया। पहली बार 5300 चूजे बेनकीज की कंपनी के हेचरी से लिए। सभी मिलकर चूजा को मुर्गा बनाने और उससे अंडा उत्पादन पर ध्यान देने लगे। दो

स्टाफ को भी रख लिया, दाना, दवा, वैक्सीनेशन करने लगे।

कोरोना काल में हुआ था नुकसान

120 दिन के बाद जब अचानक पहली मुर्गी ने अंडा दिया तो चेहरे खिल उठे और एक-एक कर सभी मुर्गियों ने अंडा देना शुरू कर दिया। बिक्री भी होने लगी, लेकिन इसी दौरान कोरोना से लॉकडाउन हो गया। जो इन लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया। अंडा की बिक्री कम हो गई, अंडा तैयार करने में करीब चार रुपए की लागत आती है, यह लोग पहले 5 रुपए में अंडा बेच रहे थे।

लेकिन लॉकडाउन के कारण ग्राहक नहीं आ रहे थे, ढाई से तीन रुपए में अंडा बेचना पड़ रहा था। मजबूरी थी कि मुर्गी अंडा दे रही है तो आखिर वह अंडा का करेंगे क्या, अगर कम दाम में भी नहीं बेचेंगे तो सड़ जाएगा। जिसके मद्देनजर घाटा उठाते रहे, लेकिन हार नहीं मानी। इसके बाद 2022 से फिर नए सिरे से अपने लेयर फार्म पर ध्यान देना शुरू कर दिया और आज उनके पास 22 हजार कैपेसिटी का तीन मुर्गा फार्म है।

120 दिन के बाद अंडा देती मुर्गी

इन्होंने 10 लोगों को रोजगार भी दे रखा है, जिसे 12 से 15 हजार रुपए प्रत्येक महीना सैलरी दे रहे हैं। इनकी 22 हजार मुर्गी से सभी मेंटेनेंस काटकर 15 प्रतिशत की बचत हो रही है। शुद्ध दाना, रख-रखाव और सफाई के कारण मुर्गियां स्वस्थ हैं।

गालिब शाहीन ने बताया कि चूजा से अंडा उत्पादन करने लायक मुर्गी तक बनने तक की प्रक्रिया में 115 से 120 दिन लग जाते है। 120 दिन के बाद प्रत्येक मुर्गी 27 मिनट 35 सेकंड के अंतराल पर एक अंडा देती है और लगातार चार महीना अंडा देने के बाद हम लोग उस मुर्गी को कटिंग करने वालों के हाथ 60 प्रति पीस के हिसाब से बेच देते हैं।

उन्होंने बताया कि चूजा से लेकर मुर्गी के अंडा देने तक उन्हें उचित प्रकाश और खान-पान पर रखा रखा जाता है। प्रत्येक चूजा और मुर्गी को रोज 2900 कैलोरी एनर्जी और 20.5 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है, जिसे मेंटेन करते हैं। जिसके कारण हमारी मुर्गियां स्वस्थ रहती है और जब स्वस्थ रहेगी तो अंडा भी बेहतरीन क्वालिटी का होगा। वर्ड फ्लू, सर्दी खांसी आदि बीमारी से बचाने के लिए वैक्सीनेशन करते हैं।

35 लाख की लगाई लागत आज एक करोड़ से अधिक

35 लाख की लगाई लागत आज एक करोड़ से अधिक की हो चुकी है। अब यह लोग दाना भी कहीं से खरीद कर नहीं लाते हैं, बल्कि खुद से तैयार करते हैं। नेशनल एग को-ऑर्डिनेशन कमेटी से जुड़ चुके हैं, यह कमेटी प्रत्येक दिन दोपहर 12:00 बजे अंडा का रेट फिक्स करती है। इसी रेट से यह होलसेल रेट में बेच रहे हैं, आज का रेट 5.62 रुपया रहा। चूजा, दाना, स्टाफ, इंफ्रास्ट्रक्चर, दवा और वैक्सीनेशन का खर्च काटकर साल में 20 से 22 लाख रुपए तक की बचत हो रही है।

अब घर बैठे बच्चों के बनेंगे आधार कार्ड; डाक विभाग ने ली जिम्मेदारी, 7 हजार डाकिया की तैनाती

पटना, एजेंसी। अगर आपके बच्चों का आधार कार्ड नहीं बना है या उसमें किसी प्रकार के सुधार की जरूरत है तो चिंता करने की बात नहीं है। अब घर बैठे आपका काम होगा। बिहार में सात हजार डाकिया घर-घर जाकर बच्चों का आधार कार्ड बनाएंगे। इन डाकियों को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। सरकार ने इसके लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। राज्य में अभी दस हजार डाकिया हैं। फिलहाल 28 सौ डाकिया घर-घर जाकर मोबाइल किट से आधार कार्ड बना रहे हैं, लेकिन अब इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी। अब सात हजार और डाकियों को आधार कार्ड बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद डाकिया का चयन लिखित परीक्षा से होगी। परीक्षा पास करने पर उन्हें ऑथेंटिकेशन नंबर मिलेगा। इसके लिए डाक विभाग ने यूआईडी से अगले 40 दिनों के लिए तीन स्लॉट बुक की हैं। इस तिथि में डाकिया लिखित परीक्षा में शामिल होंगे। यह काम 30 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

दस लाख बच्चों का आधार कार्ड बनाने लक्ष्य

पांच साल तक के 10 लाख बच्चों का आधार कार्ड बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए डाक विभाग विशेष तैयारी कर रहा है। डाक विभाग की मानें तो पांच साल तक एक लाख 60 हजार बच्चों का ही अब तक आधार बना है।

डाकिया से मोबाइल नंबर और घर का पता भी घर बैठे ही लोग अपडेट करा सकेंगे। इसकी भी सुविधा अब डाक विभाग देगा। इस काम के लिए अब डाक विभाग जाने की जरूरत नहीं होगी।

क्या कहते हैं अधिकारी ? : हर बच्चे का आधार कार्ड बने, इसके लिए सात हजार डाकियों को लगाया जाएगा। सभी डाकिये को पहले प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद उन डाकियों को आधार कार्ड बनवाने के लिए घर-घर भेजा जाएगा। दस लाख बच्चों का आधार बनवाने का लक्ष्य है। -अनिल कुमार, चीफ पोस्ट मास्टरजनरल,बिहार

बेरोजगारों के लिए जॉब का सुनहरा मौका बेगूसराय में 28 को रोजगार कैंप

इंसेंटिव के साथ मिलेगी 13 हजार से अधिक की सैलरी

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में इंटर पास बेरोजगारों के लिए रोजगार का सुनहरा मौका है। बैंकिंग सेक्टर में रोजगार मिल सकता है। बिहार सरकार का श्रम संसाधन विभाग बेगूसराय जिला नियोजनालय में लगातार जॉब कैंप का आयोजन करता है। इसी कड़ी में 28 अगस्त (बुधवार) को एक बार फिर जॉब कैंप आयोजित होगा।

60 पदों पर होगी बहाली

जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश ने बताया कि 28 अगस्त को एक बार फिर जिला नियोजनालय में भारत फाइनेंशियल इंक्लुजन लिमिटेड जॉब कैंप का आयोजन कर रहा है। जिसमें लोन ऑफिसर के 60 पदों पर बहाली की

जाएगी। 18 से 28 साल के कोई भी इंटर पास युवा इसमें भाग ले सकते हैं। इसके लिए एनसीएस पोर्टल www.ncs.gov.in पर रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है।

जॉब लोकेशन होगा बिहार : बिहार जॉब लोकेशन होगा। इस काम के लिए 13750 मंथली सैलरी मिलेगी। इसके अलावा पीएफ, इएसआईसी, ग्रेच्युटी, इंसेंटिव और इंश्योरेंस आदि की भी सुविधा मिलेगी। जॉब कैंप में भाग लेने के इच्छुक लोग अपने बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बैंक का पासबुक, डीएल, बाइक का पेपर व पासपोर्ट साइज के दो रंगीन फोटो के साथ सुबह 10 बजे से शाम के 4 बजे तक जिला नियोजनालय में आ सकते हैं।

आईजीआईएमएस पटना में खुलेगी प्राइमरी एंजियोप्लास्टी यूनिट, पेसमेकर लगाने की भी सुविधा

पटना, एजेंसी। बिहार के लोगों के लिए अच्छी खबर है। एंजियोप्लास्टी के लिए अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। हार्ट अटैक से युवाओं की जान बचाने के लिए आईजीआईएमएस में एक अलग यूनिट खोली जा रही है। प्राइमरी एंजियोप्लास्टी यूनिट में युवाओं को तत्काल हार्ट अटैक से होनेवाली धमनियों के ब्लॉकेज को हटाने, स्टेंट लगाने अथवा बाहर से पेसमेकर लगाने की भी सुविधा होगी। जल्द से जल्द इस सेवा को बहाल करने के लिए काम शुरू हो गया है। सीसीयू यनिट की ठीक बगल में स्थित इस सेंटर में ये सुविधाएं दिन-रात (24 घंटे) मिलेगी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि अगले सप्ताह से यह यूनिट शुरू हो जाएगी। बताया कि कोरोना के बाद से हार्ट अटैक से अचानक होनेवाली मौतों में युवाओं की संख्या लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसका बड़ा कारण कोरोना पीड़ितों की हृदय की धमनियों में संकुचन, खून का थक्का जमने और ब्लॉकेज की समस्या को माना जा रहा है।

आईजीआईएमएस के नर्सों को मिलेगा व एडवांस लाइफ सपोर्ट : इसे देखते हुए आईजीआईएमएस में प्राइमरी एंजियोप्लास्टी यूनिट को खोला जा रहा है। आईजीआईएमएस हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि विष्णु ने बताया कि यहां विशेषज्ञ और अनुभवी डॉक्टरों की टीम है। 24 घंटे इनकी तैनाती इस सेंटर में रहेगी। मरीज 24 घंटे में कभी भी पहुंचेंगे तो मिनटों में एंजियोप्लास्टी सेंटर की सुविधा मिलेगी।

एंजियोप्लासटी होने से दिल की बीमारियों 50 तक बचाव संभव है। कोरोना के बाद से राज्य में हार्ट अटैक से बीमार होने और मरने वालों की संख्या बढ गई है। बड़ी संख्या में युवा उम्र के लोग भी इसके शिकार बन गए हैं। कई बार ऐसा देखा गया है कि काम करते हुए कम उम्र के युवाओं को हार्ट अटैक आ गया। इनमें से जिन्हें समय से इलाज की सुविधा नहीं मिली वे मौत के शिकार बन गए। इसे देखते हुए आईजीआईएमएस की ओर से यह सुविधा बहाल की गई है।

बेतिया में 2 बाघों में लड़ाई, एक की मौत, दूसरे बाघ की तलाश जारी

डॉक्टर बोले- पैर, चेहरे और सिर पर गंभीर चोट

बेतिया, एजेंसी। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में एक नर बाघ की मौत हो गई है। शुक्रवार सुबह उसका शव मिला है। बाघ के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। वन विभाग की माने तो बाघ की मौत दूसरे बाघ से लड़ाई के दौरान हुई है। वन विभाग की टीम दूसरे बाघ की तलाश कर रही है। टीम का मानना है कि उस बाघ को भी गंभीर चोटें आई होगी। घटना स्थल की जांच में फुट प्रिंट देखकर बाघों के बीच हुए जबरदस्त खूनी संघर्ष का अनुमान लगाया जा रहा है। मामला मांगुराहा वन क्षेत्र के कक्ष संख्या 46 का है। फिलहाल वन कर्मी बाघ के शव का मांगुराहा में पोस्टमॉर्टम करा रहे हैं। बाघ की उम्र करीब 8 साल बताई जा रही है।

सीएफ और डीएफओ घटनास्थल पर कर रहे कैंप

वहीं शुक्रवार की सुबह सूचना के बाद सीएफ और डीएफओ घटनास्थल पर पहुंचकर कैंप कर रहे हैं। जंगल में किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। वीटीआर प्रमंडल एक के उप क्षेत्र निदेशक प्रदुम्न गौरव ने बताया

कि दो बाघों के आपसी वर्चस्व में एक नर बाघ की मौत हो गई है। शव देखने से दो दिन पुराना लग रहा है। उन्होंने बताया कि बाघ के शव का पोस्टमॉर्टम कर जांच के लिए विसरा वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया देहरादून और इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली भेजी जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद कारण स्पष्ट होगा। पोस्टमॉर्टम के बाद मृत बाघ का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। वीटीआर के डॉक्टरों के अनुसार मृत बाघ के पैर, चेहरे और सिर पर गंभीर जख्म हैं। खून अधिक बहने से उसकी जान जाने की आशंका जताई गई है। वन विभाग जंगल में लगे ट्रैप कैमरों की जांच कर रहा है। रेंजर सुनील कुमार पाठक के नेतृत्व में वन कर्मियों की टीम घायल बाघ के फुट प्रिंट की ट्रैकिंग कर रही है।

टाइगर रिजर्व में कुल 59 बाघ

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में कुल 59 बाघ हैं। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व पूरी तरह से खुला हुआ क्षेत्र है। इसमें बाघ इधर से उधर एक कंपार्ट से दूसरे कंपार्ट में जाते रहते हैं। इसलिए हर कंपार्ट में बाघों की कितनी संख्या है। इसका अब तक सही से आंकलन नहीं मिला है। मांगुराहा रेंज शोर शराबे से अलग है, ऐसे में यहां शाकाहारी जानवरों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यही कारण है कि यहां पर आसानी से बाघ देखे जा रहे हैं।

इलाके के लिए बाघों के बीच होती है लड़ाई

बाघों की आपसी लड़ाई इलाके के लिए होती है। दरअसल, युवा अवस्था में आने के साथ ही बाघ अपना इलाका बांट लेते हैं। इसके लिए पेड़ों पर अपनी गंध छोड़ते है। इसके साथ ही पेड़ों पर फुट प्रिंट बनाते हैं, इससे वह अपने इलाके में एक बार में नजर बनाए रखने का काम करते हैं। ऐसे में अगर दूसरा बाघ उनके इलाके में आता है तो दोनों में लड़ाई होना तय है।

सांसद गोपाल जी ठाकुर बोले-लोगों की समस्याओं का होगा समाधान

आधुनिक सुविधाओं के सहारे दरभंगा देशभर में बनेगा उदाहरण

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा नगर निगम के बेनीपुर नगर परिषद, रौल, घनश्याम पुर और बहेरी नगर पंचायतों में अलग-अलग जन समस्याओं का समाधान कर सरकार सभी मौलिक सुविधाओं के लिए लगातार काम करी है। सांसद गोपाल जी ठाकुर ने कहा है कि यहां जल जमाव से लोगों को परेशानी होती है। इसका जल्द ही समाधान होगा। एयरपोर्ट जैसी सभी आधुनिक सुविधाओं के सहारे देश भर में ये जिला उदाहरण बनेगा।

सांसद ने कहा कि प्रदेश के नगर विकास मंत्री नितिन नवीन व बिहार के दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा से विकास के इन मुद्दों को लेकर मुलाकात की है। नगर विकास मंत्री और विभाग के प्रधान सचिव आनंद शंकर से मुलाकात की और नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न जन समस्या के बारे में चर्चा की। बताया जाता है परेशानी को लेकर उन्होंने पहले भी तत्कालीन नगर विकास मंत्री को 5 फरवरी को भेंट कर अपनी मांग रखी थी। सांसद ने कहा कि दरभंगा शहर कमिश्नरी मुख्यालय भी है, जिसके चलते यहां अन्य जिलों के लोगों और पदाधिकारी का आना जाना लगा रहता है। लेकिन, शहर के अंदर जल जमाव सहित कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान करना आवश्यक है। सांसद डॉक्टर ठाकुर ने मंत्री के सामने कचरा के निपटारे की बात रखी। इससे संबंधित परेशानी के समाधान होने से स्वच्छता का वातावरण होगा। वहीं, इसके माध्यम से कई लोगों को रोजगार उपलब्ध कराई जायेगी। सांसद डॉक्टर ठाकुर ने बेनीपुर नगर परिषद व बिरौल घनश्यामपुर, बहेरी नगर पंचायतों के चतुर्दिक विकास पर बातचीत की है। सासंद ने ये भी कहा है कि इन सभी क्षेत्रों के बस स्टैंड व ऑटो स्टैंड में यात्री सुविधाओं का अभाव है, जिसके कारण यात्रियों को विभिन्न तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है। सांसद ने इन सभी स्टैंड मे शौचालय, पेयजल रात के समय प्रकाश की व्यवस्था को अनिवार्य बताते हुए कहा कि नगर विकास विभाग इसका शीघ्र समाधान करेगी। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरंजन, रेलवे ,एयरपोर्ट जैसी सभी आधुनिक सुविधाओं के सहारे दरभंगा का विकास देश स्तर पर एक उदाहरण बनेगा।

पशुपति पारस को साधने में जुटी बीजेपी, दिलीप जायसवाल रालोजपा दफ्तर जाकर मिले

पटना, एजेंसी। बिहार की चार विधानसभा सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल फिर से तेज हो गई है। लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए के अंदर दरकिनार किए गए राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख पशुपति पारस एक बार फिर सियासत के केंद्र में आ गए हैं। बिहार बीजेपी के चीफ दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को पारस के पार्टी दफ्तर जाकर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बहुत देर तक बातचीत हुई। इससे सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। बता दें कि पिछले हफ्ते ही भोजपुर जिले की तरारी सीट से विधायक रहे बाहुबली सुनील पांडे ने रालोजपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। इसके बाद से पशुपति पारस नाराज बताए जा रहे हैं। तरारी उन चार सीटों में से एक हैं जिन पर आगामी दिनों में उपचुनाव होने हैं। रालोजपा ने सुनील पांडे के सहारे ही बीजेपी से तरारी सीट पर दावा ठोका था। जानकारी के मुताबिक बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष एवं नीतीश सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल ने रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस से मुलाकात की। यह

मीटिंग रालोजपा के पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में हुई। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। हालांकि, इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है। मगर राजनीतिक हलकों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, इस साल हुए लोकसभा चुनाव के सीट बंटवारे में बीजेपी ने चिराग पासवान के गुट वाली लोजपा (रामविलास) को तरजीह देते हुए पांच सीटें दी थीं। जबकि उनके चाचा पशुपति पारस के गुट वाली रालोजपा को एक भी सीट नहीं मिली। इसके बाद पारस ने नरेंद्र मोदी कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उनके एनडीए छोड़कर जाने के भी कयास लगाए जाने लगे। हालांकि, बाद में उन्होंने चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्थन देने का ऐलान कर दिया था। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले पशुपति पारस एनडीए में अपनी जगह फिर से हासिल करने में जुटे हैं, ताकि सीट बंटवारे में उन्हें सम्मानजनक हिस्सा मिल सके। इससे पहले बिहार की चार सीटों (तरारी, रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज) पर उपचुनाव होना है। निर्वाचन आयोग जल्द ही इसकी घोषणा कर सकते हैं। इस उपचुनाव को बिहार विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जा रहा है। पिछले दिनों पशुपति पारस एक्टिव हुए और उन्होंने बीजेपी से तरारी विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने की मांग कर दी। इस सीट से चार बार विधायक रहे सुनील पांडे उस समय पारस की पार्टी में ही थे। रालोजपा उन्हें ही टिकट देने का मन बना रही थी। मगर हाल ही में उन्होंने रालोजपा को अलविदा कहकर बीजेपी जॉइन कर ली। उनके बीजेपी के टिकट पर उपचुनाव लड़ने की संभावना है। बताया जा रहा है कि पारस इस बात को लेकर बीजेपी नाराज हैं।

मांझी पुलिस ने शराब बनाने वाली मिनी फैक्ट्री का किया उद्भेदन, दो गिरफ्तार

छपरा, एजेंसी। मांझी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को ताजपुर में छापेमारी कर बड़े पैमाने पर देसी शराब तैयार करने वाली मिनी फैक्ट्री का उदभेदन किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने लगभग पांच हजार लीटर अर्द्ध निर्मित देसी शराब को विनिष्ट कर दिया व सप्लाई के लिए तैयार कर रखी एक सौ बीस लीटर शराब बरामद कर लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो कारोबारियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। गिरफ्तार कारोबारियों में गृहस्वामी भरत चौधरी के पुत्र डब्ल्यू चौधरी व सन्नी चौधरी शामिल हैं। छापेमारी के बाद पुलिस अगली कार्रवाई में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ताजपुर में बड़ी मात्रा में देसी शराब बनायी व बेची जा रही है। सूचना के आलोक में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम गठित कर गुरुवार को ताजपुर निवासी भरत चौधरी के घर पर औचक छापेमारी कर दी। पुलिस ने मौके से एक सौ बीस लीटर देसी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि 5000 लीटर अर्द्ध निर्मित देसी शराब को मौके पर ही विनिष्ट कर दिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक बाइक,चार गैस सिलेंडर व भारी मात्रा में शराब बनाने का उपकरण, ड्रम व बर्तन आदि भी बरामद किया है। छापेमारी करने पहुंची टीम में थानाध्यक्ष अमित कुमार के अलावा एस आई नसीम खान,मिथिलेश कुमार,शिवजी प्रसाद गुप्ता,पी एस आई ओमप्रकाश एवं सशस्त्र बल के पुलिसकर्मी आदि भी शामिल थे।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

केविवि व भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र के बीच समझौता ज्ञापन पर हुआ हस्ताक्षर

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी और होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र और ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर HBCHRC के प्रभारी अधिकारी डॉ. रविकांत सिंह और MGCU के शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। यह समझौता केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के देखरेख में संपन्न हुआ। इस समझौता ज्ञापन के तहत दोनों संस्थाएँ बिहार में जीनोमिक प्रयोगशाला, पुस्तकालय और परामर्श के विभिन्न क्षेत्रों में नई पहल और संसाधनों के विकास के लिए संकल्पित हैं। इस समझौते का प्रमुख उद्देश्य HBCHRC के जीनोमिक लैब में कार्यरत जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) को प्रति वर्ष महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पी-एच.डी. शोधकार्य हेतु में शामिल करना है। इस वर्ष HBCHRC के दो JRF को महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में पी-एच.डी. के लिए नामांकित किया जाएगा, और अगले वर्ष से इस संख्या को बढ़ाकर पाँच कर दिया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस समझौते के अनुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्र भी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र के जीनोमिक लैब में जाकर वहाँ के अनुसंधान और प्रयोगशाला की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस सुविधा से केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों को अनुसंधान में नई दिशा और अवसर मिलेंगे, जो उनके शैक्षणिक और पेशेवर विकास के लिए लाभकारी साबित होंगे। इससे दोनों संस्थाओं के बीच अकादमिक क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और नये शोध की संभावनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. रविकांत सिंह ने बताया कि HBCHRC का जीनोमिक लैब बिहार का एकमात्र लैब है, जहाँ जीनोमिक सीक्वेंसिंग की जाती है। यह लैब अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों से सुसज्जित है, जो कैंसर की जीनोमिक्स में महत्वपूर्ण शोध और विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है। इस समझौते के माध्यम से, जीनोमिक लैब में किए जा रहे शोध और अनुसंधान को राज्य के शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझा किया जाएगा, जिससे ज्ञानवर्धन और नवीनतम तकनीकों की जानकारी को व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जा सकेगा। शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यह समझौता बिहार के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों संस्थाओं के बीच यह सहयोग न केवल शोध की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि भविष्य में चिकित्सा और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नये अनुसंधानों और नवाचारों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे बिहार में जीनोमिक्स और कैंसर रिसर्च के क्षेत्र में नई संभावनाएँ खुलेंगी और छात्रों को उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे। जनसंपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम नन्दन ने बताया कि इस समझौते से दोनों संस्थाओं के छात्रों में नई क्षमताओं का विकास होगा और उनके शोध कार्य में नवाचार और गुणवत्ता में वृद्धि होगी।। यह बिहार राज्य के विकास और उसकी शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर केंद्रीय विश्वविद्यालय में अकादमिक मामलों के निदेशक अवसर बृजेश पांडेय, मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह, विशेष कार्याधिकारी (प्रशासन) सच्चिदानंद सिंह और जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सक के विरुद्ध थाने में आवेदन, बॉउंसर से पत्रकार पर हमला का आरोप

बीएनएम। मोतिहारी । मोतिहारी मे कुछ निजी क्लिनिक और चिकित्सकों पर आरोप है कि वे कम्पाउण्डर के नाम गुंडों की बहाली कर रहे हैं और अपने हक़ की आवाज उठाने वाले लोगों की पिटाई कर मनमाने मोटी फीस की वसूली करते है। हालांकि सभी चिकित्सक के साथ ऐसी बात नहीं परन्तु छतौनी स्थित एक क्लिनिक ऐसे ही आरोपों को लेकर सुर्खियों मे है। मोतिहारी छतौनी स्थित कुमार हेल्थ केयर के चिकित्सक पर आरोप है कि उनके क्लिनिक में बाउंसर रखे गए है और किसी भी मरीज द्वारा अगर गलत और अवैध वसूली का आरोप लगाया जाता है तो उसके साथ मार पीट की घटना किया जाता है। ताज़ा मामला पत्रकार मुन्ना से जुडा हुआ है। मुन्ना के पिता का इलाज इस क्लिनिक मे किया जा रहा था। नाजायज चार्ज को लेकर रिपोर्टर ने जब कम्पउंडर से सवाल किया तो वे लोग बदतमीजी पर उतर गए। फिर खबर को लेकर जब रिपोर्टर ने चिकित्सक का पक्ष लेना चाहा तो चिकित्सक के कहने पर सभी कर्मचारियों ने पत्रकार के भाई एवं अन्य लोगो की पिटाई कर दी। मामले को लेकर स्थानीय थाने मे चिकित्सक कमलेश कुमार को नामजद करते हुये प्राथमिकी दर्ज करने हेतु एक आवेदन दिया गया है। आरोप है कि क्लिनिक के स्टाफ ने दो मोबाइल और करीब 10 हज़ार रुपया भी छीन लिया। चिकित्सक से कम्पाउडर जाकिर के माध्यम से उनका पक्ष लेने का प्रयास किया गया लेकिन खबर लिखने तक चिकित्सक का कोई पक्ष नहीं आ सका। थानाप्रभारी धनंजय कुमार ने कहा कि आवेदन प्राप्त हुआ है, वे अभी थाने पर नहीं है। मामले मे विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी डिग्री पर बहाल चार शिक्षको पर प्राथमिकी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में फर्जी प्रमाणपत्र पर बहाल हुए शिक्षकों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में फिर निगरानी डीएसपी राजेश कुमार ने चार शिक्षकों के खिलाफ बंजरिया थाना में एक और दूसरा प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। फर्जी प्रमाणपत्र पर बहाल तीन शिक्षिकाओं और एक शिक्षक के ऊपर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके पहले छह फर्जी शिक्षकों के खिलाफ बंजरिया थाना में बीते जुलाई महीने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। निगरानी डीएसपी ने बंजरिया थाना में जिन शिक्षकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। उनमें उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवा के शिक्षक मो. ज्याउद्दीन और शिक्षिका इकरा फातिमा, जटवा के मध्य विद्यालय उर्दू की शिक्षिका नइमा प्रवीण और सिसवनिया के उत्क्रमित मध्य विद्यालय की शिक्षिका साबरा खातून शामिल हैं। बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि निगरानी विभाग के अधिकारी के तरफ से आवेदन मिला है। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है,कि बीते जुलाई माह में भी निगरानी विभाग पटना के डीएसपी राजेश कुमार ने बंजरिया थाना पुलिस को आवेदन देकर बंजरिया प्रखंड के ही दो शिक्षक व चार शिक्षिकाओ के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया था।जिसमे उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौरिया के शिक्षक सुरेश कुमार और मध्य विद्यालय अजगरी के शिक्षक प्रिय रंजन कुमार दूबे के अलावा उत्क्रमित मध्य विद्यालय चितहां की शिक्षिका रूबी कुमारी,उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौरिया की शिक्षिका विभा कुमारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंजरिया की शिक्षिका विभा कुमारी और उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोखुला की शिक्षिका सावित्री यादव शामिल है।विभाग ने जांच में इन शिक्षकों के प्रमाणपत्र को फर्जी पाये जाने के बाद उक्त कारवाई की है।

खेलो इंडिया विमेंस लीग में भाग लेने जिला साइक्लिंग टीम हुई रवाना

- पटना में 24-25 अगस्त को तीन
- कैटेगरी में आयोजित होगी प्रतियोगिता

बीएनएम। मोतिहारी

साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के तत्वाधान में पटना में आयोजित होने वाली खेलो इंडिया विमेंस ईस्ट जोन लीग में भाग लेने पूर्वी चंपारण जिला साइक्लिंग संघ की टीम शुक्रवार को रवाना हो गई। उल्लेखनीय है,कि पटना के गंगा पथ पर आयोजित होने वाली दो दिवसीय (24-25 अगस्त) लीग में जिला टीम से अलग-अलग कैटेगरी में 15 खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा दिखाएंगी। इन खिलाड़ियों में सीनियर वर्ग में बेबी, मुक्ता, श्वेता व सुमन, जूनियर वर्ग में अप्पी व प्रियांशु, सब जूनियर वर्ग में सृष्टि, सिया, सुप्रिया, शालिनी, अवंशिका, आयुषी, साक्षी, रिशा व रंजना शामिल है। टीम कोच के रूप में जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा व मैनेजर के रूप में संघ के संयुक्त सचिव अशोक मेहरा है। संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया एक बेहतर प्लेटफार्म है। इसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान होती है जिन्हें आगे बढ़ने का शानदार अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ईस्ट जोन में बिहार के अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िसा, मणिपुर, असम, उत्तर प्रदेश शामिल है जहां के खिलाड़ी लीग में शामिल होंगे। श्री वर्मा ने कहा कि पूर्व में बिहार, झारखंड व पश्चिम बंगाल में हुए खेलो इंडिया लीग में पूर्वी चम्पारण की कई खिलाड़ी विनर हुए है और कैश प्राइज भी जीत चुकी हैं।

नेशनल स्पेस डे पर कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में नेशनल स्पेस डे के अवसर पर निदेशक, उच्च शिक्षा, शिक्षा विभाग,बिहार के निदेशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने भारतीय सभ्यता संस्कृति में अंतरिक्ष विज्ञान के संबंधों पर प्रकाश डाला। कहा कि भारत अपने सीमित संसाधनों के सहारे नई नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य ने छात्र छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में जानने समझने के लिए प्रेरित किया। हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रवि रंजन सिंह ने अंतरिक्ष को साहित्य से जोड़ते हुए अनामिका की एक कविता का पाठ किया। एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने बताया कि आज प्रथम बार राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जा रहा है। आज के ही दिन सन् 2023 में चंद्रयान 3 से भेजा गया। विक्रम लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरा था और ऐसा करने वाला भारत पहला देश बना। कार्यशाला में ऑडियो विजुअल के माध्यम से इसरो के विकाश यात्रा और चंद्रयान मिशन के बारे में बच्चों को जानकारी दी गई। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि एक तरह के कार्यशाला को निरंतर आयोजित करने से छात्र छात्राओं में उत्सुकता जागृत की जा सकती है। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. जौवाद हुसैन की उपस्थिति रही। कार्यशाला में शुभांगी, विशाल, कुंदन, कृतिका, पलक, श्रेया, प्रगति, हर्षि, खुशी, कोमल, शिवम्, ऋतिक, हर्षित, साहिल, दिवेश सहित अनेक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

दुष्कर्म मामले में कोचिंग संचालक को बारह वर्षों का सश्रम कारावास

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार ने एक छात्रा के साथ दुष्कर्म मामले में कोचिंग संचालक को दोषी पाते हुए शुक्रवार को बारह वर्षों का सश्रम आजीवन कारावास व अस्सी हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा कुंडवा चैनपुर थाना के रामप्रसाद साह के पुत्र पवन कुमार को हुई। मामले में युवती ने कुंडवा चैनपुर थाना कांड संख्या 52/2023 दर्ज कराते हुए पवन कुमार को नामजद की थी। जिसमें कही थी कि वह बी ए पार्ट वन सत्र 2022-25 की छात्रा है। वह कंप्यूटर कोर्स के लिए दिसंबर 2022 में गुरुकुल कंप्यूटर कोचिंग सेंटर जटवालिया में नामांकन कराई। दस- पंद्रह दिन बाद कोचिंग संचालक पवन कुमार कोचिंग समाप्त होने के बाद नोट्स देने के बहाने रोक लिया एवम कोचिंग सेंटर में बंद कर जबरदस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही आपत्ति जनक फोटो खींच लिया। वह धमकी दिया कि किसी को बताई तो फोटो बायलर कर जिंदगी बर्बाद कर देंगे। जब भी तुमको बुलाएंगे तुमको आना होगा। फोटो बायलर करने का भय दिखाकर पवन कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। वह छात्र को बुलाने के लिए उसकी मां के मोबाइल पर फोन किया। जब छात्रा जाने से इंकार की तो उसने उसकी आपत्ति जनक फोटो दिनांक 21 मार्च 2023 को वायरल कर दिया। आपत्ति जनक फोटो वायरल होने के बाद उसकी तय शादी टूट गई। सत्रवाद संख्या 701/2023 विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक ईश्वर चंद दूबे ने छह गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद नामजद अभियुक्त को धारा 376,506 भादवि एवम् 66 ई आईटी एक्ट में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए। वहीं पीड़िता को पीड़ित घोषित करते हुए प्रतिकर अधिनियम के तहत पीड़िता को मुआवजे के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार को निर्देशित किया है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

जिला स्वास्थ्य समिति में नए डाटा ऑपरेटरों को मिला प्रशिक्षण

- दवाओं के मात्रा एवं वितरण के बारे में दी गई विस्तृत जानकारी
- डीबीडीएमएस / एफपीएलएमआईएस पर इंट्री करने के कार्यों की हुई समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

जिला स्वास्थ्य समिति में जिले के सभी 27 प्रखंडों के नए डाटा ऑपरेटरों का प्रशिक्षण सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डैम अभिजीत भूषण की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग के ऑपरेटर अनिल कुमार, धीरेशनाथ ठाकुर, अमित कुमार जिला प्रतिनिधि पीएसआई इंडिया द्वारा कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान पोर्टल पर बताया कि कौन कौन दवाएं कितनी मात्राए में पीएचसी को मिली है सभी ऑनलाइन दिखाई जाएगी, जिसका प्रतिदिन रिपोर्ट विभाग को देना है। देखना है कि जिला दवा केंद्रीय भंडार में कौन सी दवाए है, जिनमें कौन सी दवा हमारे पीएचसी में नहीं है। इसका विशेष ध्यान रखना है की कौन कौन दवाए नहीं है, उनकी उपलब्धी हो इसलिए पोर्टल पर जाकर दवाओं की डिमांड करें, उपलब्ध कराए ताकि चिकित्सा सुविधा बेहतर हो सकें। प्रशिक्षक अनिल कुमार ने बताया की सभी को आईडी पासवर्ड उपलब्ध करा दी जाएगी। तय समय पर रिपोर्ट करें डाटा ऑपरेटर :- सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह, एवं डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद तय समय पर सभी डाटा ऑपरेटर रिपोर्ट करें, पूरी मेहनत ईमानदारी से कार्य

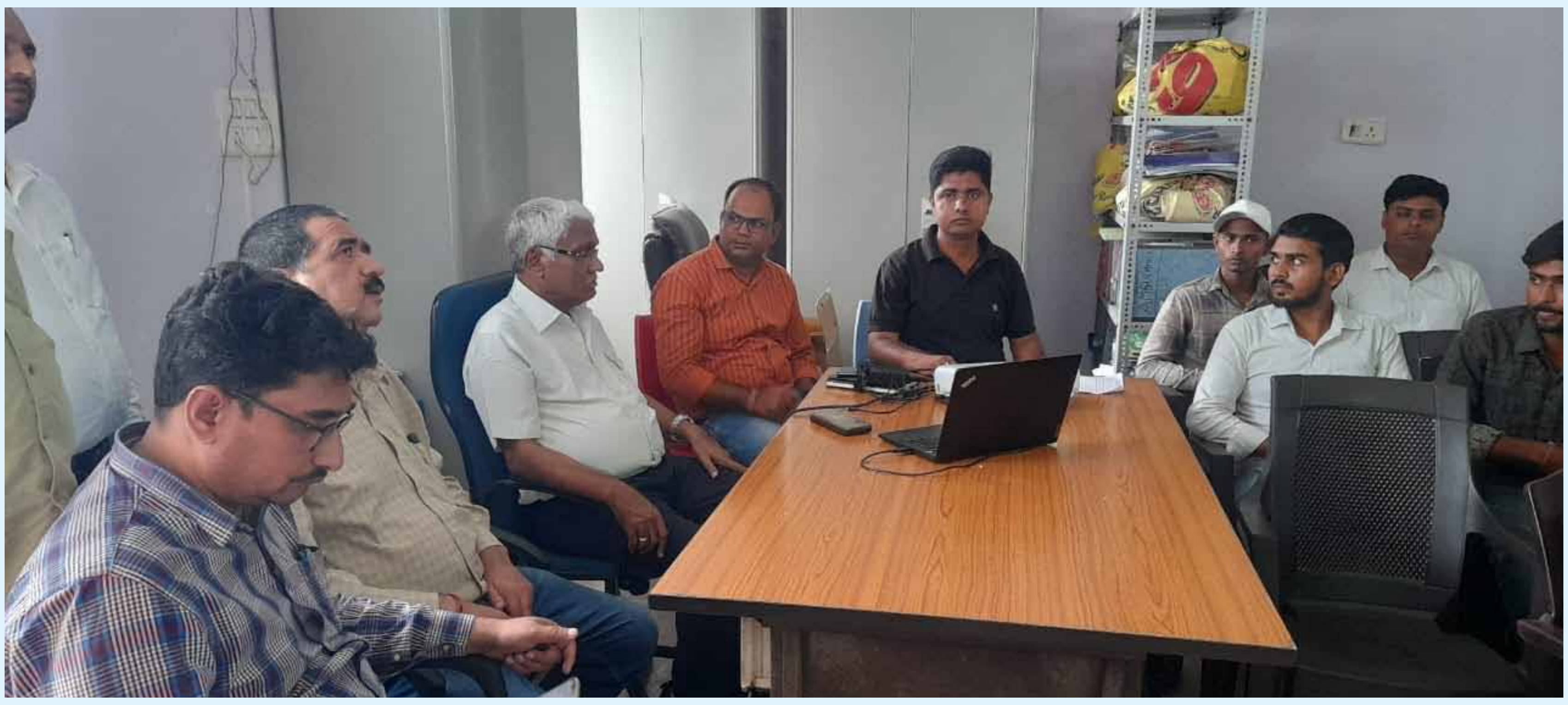

करें। यह पोर्टल पूरे भारत में चलता है इसलिए इंट्री में दिक्कत आने पर घबराने की जरूरत नहीं है। प्रत्येक पीएचसी पर 309 प्रकार की दवाए उपलब्ध होनी चाहिए, वहीं अनुमण्डलीय अस्पताल में 312, जिला अस्पताल 456 तरह की दवाए राज्य सरकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रहीं है। किसी गाँव, कसबों में स्वास्थ्य कैंप लगा हो तो कौन दवा जाएगा उसका इंट्री करें, कौन तारीख पर कौन दवा की तारीख समाप्त हो रहीं है इसपर विशेष ध्यान देना है। उसकी रिपोर्ट प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, को रिपोर्ट देनी है।कभी किसी प्रकार की समस्या हो तो जिला अनुश्रवण पदाधिकारी, डीपीएम से सम्पर्क कर सकते है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डैम अभिजीत भूषण, डीपीसी भारत भूषण, डीसीएम नन्दन झा, जिला केंद्रीय भंडार अनिल कुमार, धीरेशनाथ ठाकुर, अमित कुमार जिला प्रतिनिधि पीएसआई, सुनील कुमार डाटा ऑपरेटर व अन्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक और स्कूटी की टक्कर में स्कूटी सवार युवती घायल

पुलिस ट्रक को जब्त कर थाना ले आयी

बीएनएम। सुगौली। रफ़्तार के कहर से युवती बाल बाल बची।घटना शुक्रवार को सुगौली -रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग सिकरहना नदी पुल के पास की बताई जाती है। जानकारी के मुताबिक स्कूटी सवार घायल युवती मोतीहारी बरियारपुर निवासी रानी कुमारी बताई जाती है। युवती रामगढ़वा स्थित स्मार्ट वैल्यू संस्था में काम करती है।वो घर से स्कूटी से रामगढ़वा अपने कार्यस्थल पर जा रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को ईलाज के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गयी, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल को मोतीहारी रेफर कर दिया है।

ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने सिकंदरपुर स्थित वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : शुक्रवार को ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी और एसएसपी ने सिकंदरपुर स्थित वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान सभी मान्यताप्राप्त राजनैतिक दलों

के अध्यक्ष या प्राधिकृत प्रतिनिधि, उप निर्वाचन पदाधिकारी, डायरेक्टर डीआरडीए, वरीय कोषागार पदाधिकारी, जिला अग्निशमन अधिकारी, कार्यपालक अभियंता (भवन प्रमंडल), मैनेजर डीआरसीसी और अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन यंत्रों और सीसीटीवी की स्थिति का भी जायजा लिया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करना और आवश्यक सुधारों की पहचान करना था।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा दो दिवसीय प्रांतीय कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : सदातपुर स्थित भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रांतीय कार्यशाला

का आयोजन शनिवार और रविवार को होगा। इस कार्यशाला की तैयारी के संबंध में शुक्रवार को महाविद्यालय में तैयारी समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने की। बैठक में भाषा मंच के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. राजेश्वर कुमार और महाविद्यालय के सचिव डॉ. ललित किशोर भी उपस्थित थे। प्राचार्य प्रो. वर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला में उत्तर बिहार से करीब सौ कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बीआरएबीयू की कुलसचिव डॉ. अपराजिता कृष्णा और विशिष्ट अतिथि के रूप में लंगट सिंह कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओपी राय उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, न्यास के संरक्षक कुलपति प्रो. डीसी राय और न्यास के अध्यक्ष एवं जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार वाजपेयी के भी कार्यशाला में शामिल होने की संभावना है। डॉ. राजेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर व्यापक चर्चा होगी। इसमें विभिन्न विषयों के विद्वान और उत्तर बिहार के कई महाविद्यालयों के प्राचार्य भी शामिल होंगे। सचिव डॉ. ललित किशोर ने जानकारी दी कि कार्यशाला की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं, और इसका मुख्य आयोजन रविवार को होगा। इस कार्यशाला का उद्देश्य एनईपी 2020 के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान देना है। बैठक में महाविद्यालय के सरोज कुमार, सौरव कौशिक, जितेंद्र कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने मनायी पंडित राजकुमार शुक्ल की 150 वी जन्म शताब्दी समारोह

बीएनएम। बेतिया

चंपारण सत्याग्रह के महानायक पंडित राजकुमार शुक्ल की 150 जन्म शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट सामाजिक संगठन द्वारा शनिवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी गई। पंडित राजकुमार शुक्ल, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ,अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ने कहा कि आज से लगभग 150 वर्ष पूर्व 23 अगस्त 1875 ई0 को पंडित राजकुमार शुक्ल जन्म हुआ था। उनका सारा जीवन मातृभूमि की स्वाधीनता एवं समाज को सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति दिलाने के लिए रहा। 1897 ई0 मे महारानी जानकी कुंवर को अपदस्थ कर अंग्रेजों ने बेतिया राज को कोर्ट ऑफ वाडर्स के अंतर्गत कर दिया। चंपारण का यह भूभाग को कोर्ट ऑफ़ वाड्र्स के अंतर्गत आने पर अंग्रेजों के अत्याचार एवं यातना में बढ़ोतरी हो गई। अंग्रेजों ने चंपारण के लोगों

पर 42 तरह के असंवैधानिक कर लगाए थे, साथ ही साथ जबरन नील की खेती कराई जाती थी, जिससे किसानों का खेत बंजर हो जाता है एवं कई सालों तक उस पर फसल नहीं उगते थे। पंडित राजकुमार शुक्ल ,पीर मोहम्मद मुनीश एवं शेख गुलाब के नेतृत्व में नील की खेती के अभिशाप एवं चंपारण में अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध किसानों एवं मजदूरों को लामबंद होने का अवसर मिला। शेख गुलाब ,पंडित राजकुमार शुक्ल एवं पीर मोहम्मद मुनीश के प्रयासों ने महात्मा गांधी को चंपारण की धरती पर आने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन व मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का हुआ उद्घाटन

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र के घीउवाढार पंचायत में शुक्रवार को भारत मिशन (ग्रामीण) लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान, स्थानीय मुखिया वीरेंद्र कुमार ने फिता काटकर किया। समारोह को संबोधित करते हुए बीडीओ मनोज पासवान ने बताया कि इस अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई के द्वारा पंचायत में विभिन्न टोला से कचरा का उठाव कर उसे यहां लाया जाएगा और फिर उसे उपयोगी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए ठेला और ई रिक्शा का प्रबंध किया गया है। इस कार्य के लिए कर्मियों को भी नियुक्त किया गया है। गीला और सूखा कचरा रखने की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। इस प्रसंस्करण इकाई के उद्घाटन हो जाने से अब गांव में भी इधर-उधर कचरा नहीं फैलेगा और प्रदूषण से बचाव होगा। मौके पर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मनोज कुमार, बसंत पासवान, दिनेश पटेल, अवनीश राय, बागवान महतो, जेई संतोष कुमार, मानिकपुर सरपंच राजीव रंजन कुमार उर्फ पप्पू लाल, स्थानीय सरपंच आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

सत्ता और नैतिकता

सत्ता के संचालन में शक्ति की अपेक्षा रहती है या नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। शक्ति दो प्रकार की होती है- नैतिक शक्ति और उपकरण शक्ति। नैतिक शक्ति के बिना तो व्यक्ति सही ढंग से प्रशासन कर ही नहीं सकता। उपकरण शक्ति का जहां तक प्रश्न है, एक सीमा तक वह भी जरूरी है। किंतु वह शक्ति का एकमात्र तत्व नहीं है। उससे भी अधिक आवश्यक है- बुद्धि, विवेक, साहस और निर्णायक क्षमता। जिस शासक में ये चारो तत्व नहीं होते, वह सही रूप से सत्ता को संचालित नहीं कर सकता। एक शासक के पास बहुत बड़ी सेना हो, शस्त्रों का विशद भंडार हो; पर सही समझ न हो और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता न हो तो शक्ति भी अहितकर बन जाती है। सामान्यतः राष्ट्रीय एवं सामाजिक सत्ता के संचालन में शक्ति तत्व अपेक्षित रहता है, पर वही सब कुछ नहीं है, परम तत्व नहीं है। अधिकारी व्यक्ति की चरित्रनिष्ठा, जागरूकता और जनता की सहानुभूति का योग होने से ही सत्ता के गलियारों को पार किया जा सकता है। किसी एक तत्व की कमी होते ही प्रशासक विवादों के घेरे में खड़ा हो जाता है। उस समय वह सत्ता का संचालन करता है या सत्ता के द्वारा संचालित होता है, कुछ कहना कठिन है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम और रावण का प्रसंग प्रसिद्ध है। रावण की सत्ता से संसार कांपता था, इधर राम वनवासी थे। उनके पास न वैसी सेना थी, न वैसा शास्त्रबल था। फिर भी उन्होंने रावण की सत्ता को चुनौती दे दी।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खैफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिमेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिमेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वच्छन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय

बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं। स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरिज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। घर में बच्चों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित, और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाने के साथ अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। स्कूलों में काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता की व्यवस्था होनी चाहिए, जो बच्चों की मानसिक समस्याओं को समझें और उनका समाधान कर सकें। सबसे बड़ी बात यह कि शिक्षकों को बच्चों के आचरण और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण देना होगा। ऐसा करने पर वे बच्चों के चाल-चलन की बारीकी से निगरानी कर सकेंगे। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी इतनी सहम गयी है कि गलत धारणाओं को मिटाने के लिये इस तरह की विकृत सोच एवं तथाकथित विकास से जुड़े शत्रु को पीठ के पीछे नहीं, सामने रखना होगा। सोचना होगा कि खुशहाली का पैमाना सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता, शक्ति एवं सत्ता नहीं हो सकता। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी से रंजिश के चलते उस पर गोली चलाते देखे गये हैं।

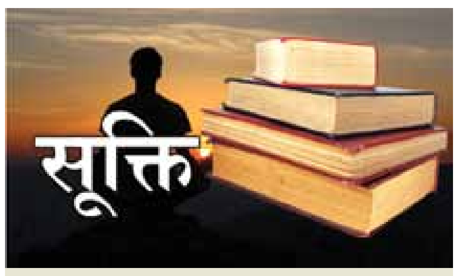

अगर हम विफलता से शिक्षा प्राप्त करते है तो वह सफलता ही है।
मैल्कम फोर्ब्स

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है।
जॉन टिलोटसन

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि पंचमी, शनिवासरे, अश्वनी नक्षत्रे, गंड योगे, गर करणे, मेष की चंद्रमा, रक्षा पंचमी (उड़ीसा) चंद्रादय रा.11/43 सर्वार्थ सिद्ध योग तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, किन्तु जिद्दी-हठी, चंचल, बलशाली तथा स्वतंत्र विचार का शिक्षक-शिक्षाविद, शिक्षाशास्त्री, उद्यमी, उद्योगपति, पार्टी संगठक, राजनेता, प्रबंधक होगा।

मेष :- यात्रा से लाभ, परिवार से लाभ, कार्य में रुकावट होगी, समय का ध्यान रखें।

वृष :- धार्मिक कार्यों में खर्च होगा, धन का आभाव मन में खेद तथा दुख अवश्य होगा।

मिथुन :- व्यापारिक योजना बने, शरीर सुख तथा लाभ के कार्य में बाधा होगी।

कर्क :- चिन्ताओं की समाप्ति होगी, नये कार्य-व्यापार से लाभ के कार्य होंगे तथा बाधा बनेगी।

सिंह :- शारीरिक कष्ट, परेशानी, स्त्री से अनवन तथा सामान्य लाभ होगा।

कन्या :- संघर्ष, कार्य व्यापार में अशांति हो, संतान से सुख समाचार मिले।

तुला :- रोग, शरीर व्याधि से कष्ट धन की कमी, घर में कलह होगी, ध्यान दें।

वृश्चिक :- मेहनत से कार्य पूर्ण हों, स्त्री का सहयोग फलदायी होगा, व्यय की वृद्धि होगी।

धनु :- खांसी-जुकाम का प्रभाव रहेगा, स्त्री से मन-मुटाव होगा, ध्यान रखें।

मकर :- व्यापार में सुधार होगा, शत्रुपक्ष से सावधान रहें, स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुम्भ :- संघर्षपूर्ण स्थिति होगी, लाभ तथा व्यय होगा, समय का ध्यान अवश्य रखें।

मीन :- व्यापार में लाभ, कार्यक्षेत्र में सुधार, भूमि-भवन की खरीद-फरोख्त अवश्य होगी।

भारतीय संस्कृति की वाहक है लोकगाथाएं

प्रो. साकेत कुशवाहा

लोककथाएं और लोकपरम्पराएं किसी भी सभ्यता और संस्कृति की अभिव्यक्ति होती है क्योंकि इनके माध्यम से पूर्ववत चली आ रही सामाजिक धरोहर को आगामी पीढ़ी को कई गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है । भारत लोककथाओं से सम्पन्न देश है जिसमें प्रत्येक क्षेत्र और उस क्षेत्र के निवासियों की अलग-अलग लोककथाएं है जिनका स्मरण और संरक्षण करना आवश्यक है । लोक कथाएं वो कहानियाँ होती है जिनका निर्माण और उत्पन्न स्थान बात पाना कठिन होता है क्योंकि ए कथाएं पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है । लोक संस्कृति में व्याप्त लोकगीत, लोकनृत्य, लोकगाथा, लोककथा जनजातियों के प्रतिरूप है। जिसके द्वारा जनजातियों का परिचय स्वभाविक रूप से हो जाता है। जनजातियों में प्रचलित लोक कथाएं जनजातीय संस्कृति के दर्पण है। जिसमें उनकी संस्कृति, परम्परा, खान-पान, रहन-सहन, तीज-त्यौहार और प्रकृति के साथ उनके जुड़ाव को आसानी से देखा जा सकता है। लोककथा का विकास मानव के जन्म के साथ ही प्रारंभ हुआ होगा। वर्तमान समय में भी लोककथा वाचिक परम्परा से ही प्राप्त होती है। खेतों में कार्य करते हुए कृषक महिला एवं पुरुष श्रम परिहार के लिए लोककथाओं का सहारा लेते हैं। लोक कथा कथक्कड़ की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। गाँव में फुर्सत के क्षणों में किसी घर के बरामदे या सार्वजनिक चौपाल में भी लोक कथाओं को बहुत उत्साह से सुनते हुए आनन्द उठाते हैं तथा घरों में रात्रि के समय छोटे-छोटे बच्चे अपने दादा-दादी के पास रहते हुए भी लोककथाओं को मौखिक रूप से सुनते हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी अनवरत् चली आ रही है। डॉ. नत्थू तोड़े की पुस्तक 'बस्तर की लोककथाः सांस्कृतिक आयाम में भी बस्तर के जनजातियों में प्रचलित मौखिक परम्परा से चली आ रही लोककथाओं का दर्शन होता है। बस्तर की जनजातियों में प्रचलित सभ्यता एवं संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। इस पुस्तक के अध्ययन से जनजातियों की धार्मिक आस्था, लोक विष्वास एवं लोक परम्पराओं की भिन्न-भिन्न विषेशताओं को जाना एवं समझा जा सकता है। डॉ. नत्थू तोड़े अपनी पुस्तक में बस्तर के प्रमुख जनजातिय निवासी गोड़, हल्बा, भतरा, गदबा, धुरूवा, माड़िया एवं मुरिया के सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना को उनमें प्रचलित लोक कथाओं के माध्यम से उद्धृत करने का प्रयास किया है। तकनीकी प्रधान दुनियाँ में इनका प्रभाव कम होता जरा है । अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा राज्य है और पूरे देश में सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है। राज्य में कई खूबसूरत आकर्षण हैं। वन्यजीवों को देखने से लेकर आध्यात्मिक तीर्थस्थलों में प्रार्थना में भाग लेने तक, अरुणाचल प्रदेश में करने के लिए बहुत सी चीज़ें हैं । इसके अलावा, यह राज्य अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपरा के लिए भी जाना जाता है। यहाँ अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों और परंपराओं के बारे में वह सब कुछ बताया गया है जो आपको जानना चाहिए और यह भी कि कैसे प्रत्येक आदिवासी समुदाय ने अपनी संस्कृति बनाई। अरुणाचल प्रदेश में करीब 26 जनजातियाँ हैं, जिनमें 100 से ज़्यादा उप-जनजातियाँ हैं। इनमें से मुख्य जनजातियाँ हैं आदिस, अपटानी, बुगुन, ह्रुसोस, सिंगफोस, मिशमी, मोनपा, न्यिशिस, शेरडुकपेन्स, टैगिन्स, खमटिस, वांचो, नोक्टेस, योबिन, खंबास और मेम्बास। हालाँकि, प्रत्येक जनजाति के बारे में ज़्यादा जानने का सबसे अच्छा तरीका एक टूर लेना है जहाँ गाइड आपको प्रत्येक जनजाति की उत्पत्ति और संस्कृति के बारे में बताएगा। इन आदिवासी लोगों में ऐसा क्या अनोखा है? अपनी संस्कृति में महारत हासिल करने के अलावा, ये लोग टोकरियाँ बनाना, बुनाई, लोहार का काम, मिट्टी के बर्तन बनाना, लकड़ी की नक्काशी, पेंटिंग और बहुत कुछ जैसे कौशल में भी माहिर हैं। अरुणाचल प्रदेश में गालो जनजाति पोपिर नृत्य से नृत्य के लिए प्रसिद्ध है। लोकप्रिय नृत्य जनजातियों की विशेषता है और दर्शकों को यह नृत्य जरूर देखना चाहिए। यह मुख्य रूप से महिला सदस्यों द्वारा किया जाता है। उनका नृत्य एपी में देवी मोप को शीर्ष श्रद्धांजलि है, ऐसा माना जाता है कि यह समृद्धि और उर्वरता की देवी है। एक समय की बात है, अरुणाचल प्रदेश की हरी-भरी घाटियों और बर्फ से ढकी चोटियों पर मोनपा नामक एक जनजाति रहती थी। वे एक शांतिपूर्ण और घनिष्ठ समुदाय थे, जो प्रकृति और आध्यात्मिक दुनिया से गहराई से जुड़े हुए थे।

स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों का सम्मान करेगी कांग्रेस !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

अखिल भारतीय स्तर से लेकर जमीनी स्तर तक स्वतंत्रता सेनानी प्रकोष्ठ के माध्यम से देश को आजादी दिलाने वाले राष्ट्रभक्तो को कांग्रेस साथ लेकर चलती थी।प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी हमेशा जब भी कोई स्वतंत्रता सेनानी उनसे मिलता,उनके सामने नतमस्तक हो जाते थे।उस समय अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी कांग्रेस प्रकोष्ठ की कमान तत्कालीन सांसद एवं महान स्वतंत्रता सेनानी शीलभद्र याजी सम्भालते थे।जिसकारण स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिवार को अधिकांशतः कांग्रेसी माना जाता था।लेकिन राजीव गांधी के जाने के बाद कांग्रेस अपने इन स्वतंत्रता सेनानियों व उनके उत्तराधिकारियों को प्रायःभूल गई थी,जिनकी बदोलत देश आजाद हुआ और कांग्रेस ने सात दशक तक सत्ता प्राप्त की।कांग्रेस की इस बेरुखी का परिणाम यह हुआ कि स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार भी अन्य पार्टियों की तरफ रुख करने लगे थे,इसी कारण कांग्रेस भी अपना जनाधार खोती चली गई।अपने खोये जनाधार को वापस लाने के लिए उत्तराखंड में स्वतंत्रता सेनानी परिवारो को कांग्रेस से जोड़ने की पहल पिछले बरस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने शुरू की है।उन्होंने इसके लिए राज्य व जिला स्तर पर स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कांग्रेस प्रकोष्ठ भी गठित किये है।जिस पहली सभा प्रदेश कांग्रेस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुरली मनोहर की अध्यक्षता एवं प्रदेश महामंत्री अवधेश पन्त के संयोजन में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित हुई थी।इस प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की प्रथम बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने सभी नवनियुक्त स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी पदाधिकारियों को नियुक्त पत्र व स्मृति चिन्ह देकर उन्हें कांग्रेस परिवार का हिस्सा बनाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने इस अवसर पर उन महान स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों का भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि आज यदि आजादी की हम खुली हवा में सॉस ले रहे है तो वह उन महान स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों की ही देन है जिन्होंने अपने प्राणों को नौछावर कर देश की आजादी के लिए शहादत दी थी। करन माहरा ने कहा कि पूरा देश इन राष्ट्रभक्तो का ऋणी है।लेकिन भाजपा सरकार स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवारों की सुध नही ले रही है। उनके उत्तराधिकारी रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।पिछले कुछ वर्षों से इस देश की सरकारों द्वारा जितनी घोर उपेक्षा स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की राजनीतिक विद्वेष की भावना से प्रेरित होकर की गई है वह अपने आप में बहुत ही गंभीर एवं अत्यंत विचारणीय प्रश्न है। आज इस देश के महान स्वतंत्रता के इतिहास को और उन महान विभूतियों के इतिहास को जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुतियां दी थी उनके नाम और काम को भारत के इतिहास से मिटाने का षड्यंत्र भिन्न-भिन्न तरीकों से किया जा रहा है। मीसा बंदियों को महिमा मंडित कर उन्हें लोकतंत्र सेनानी बताकर उनको स्वतंत्रता सेनानियों से ऊपर सम्मानित किया जा रहा है। इसी प्रकार 25 जून को लोकतंत्र हत्या दिवस घोषित कर सरकार द्वारा भारत के इस महान लोकतंत्र का विश्व पटल पर मजाक बनाया जा रहा है। सरकार स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों का अपमान और उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश में अब तक इसलिए सफल हो रही है क्योंकि देशभर में फैले स्वतंत्रता सेनानियों/शहीदों के लगभग दो करोड़ परिवार की शक्ति अभी तक संगठित नहीं हो पाई है तथा उन्हें ऐसा कोई मंच अब तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है जहाँ वो समान विचारधारा के साथ एकत्रित होकर अपनी राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन कर सकें और सरकार को अपनी ताकत का एहसास करा सकें। इन सब बातों से आहत होकर उत्तराखंड कांग्रेस स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में दिनांक 25 अगस्त को उत्तराखंड देवभूमि हरिद्वार में स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के उत्तराधिकारियों का एक राष्ट्रीय स्तर का समागम सैनी आश्रम ज्वालापुर (हरिद्वार) में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश भर के विभिन्न राज्यों से आए तमाम स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के परिवारों को एक माला में पिरोकर उन्हें अपने पूर्वजों के मान- सम्मान और अपने स्वयं के अस्तित्व की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धित और संकल्पित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में इस आशय का एक प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पास कराया जाएगा की उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के अनुरूप ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा भी राष्ट्रीय स्तर पर एक स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ का गठन किया जाए जिसकी शाखाएं सभी राज्यों में स्थापित की जाएं ताकि समान विचारधारा वाले स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के उत्तराधिकारियों को एक उपयुक्त मंच अपनी बात कहने और अपना शक्ति प्रदर्शन करने के लिए उपलब्ध हो सके।जबकि आजादी के बाद देश ने कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में विकास के मार्ग पर बहुत तेजी से आगे बढ़ कर विश्व में अपना एक विशेष स्थान बनाया था, वहीं आज पूरा विश्व भारत को एक आर्थिक शक्ति के रूप में देख रहा है। माहरा के शब्दों में, कांग्रेस पार्टी ने सदैव साम्प्रदायिक सौहार्द एवं भाईचारे का वातावरण बनाने में सफलता प्राप्त की। इसी कारण कांग्रेस आज दावे के साथ कह सकती है कि आज बेसक हम केन्द्र व राज्य में सत्ता में न हो परन्तु विपक्ष के रूप में भी कांग्रेस लोकतांत्रिक मर्यादा में रहते हुए जनभावनाओं के अनुरूप केन्द्र व राज्य की वर्तमान सरकारों पर सही दिशा में चलने के लिए दबाव बनाये रखेगी।उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज भारत के पड़ोसी देशों द्वारा देश की सीमाओं पर जिस प्रकार का माहौल बनाया जा रहा है, वह गम्भीर विषय है,जिसपर ध्यान देना जरूरी है।हालांकि भारत के वीर सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं। उन्होंने कांग्रेस के उन तमाम सेनानियों को बधाई दी जो कांग्रेस के मूल्यों के लिए गली-गली, गांव-गांव अलख जगाये रखने को काम कर रहे हैं।उन्होंने राज्य निर्माण के आन्दोलनकारियों को भी बधाई दी जिनके संघर्ष और बलिदान से उत्तराखण्ड राज्य की प्राप्ति हुई है। आज सत्ता में बैठी कुछ ताकतों द्वारा देश की आजादी के लिए कुर्बानियां देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को भुला कर देश की जनता को गुमराह कर छद्म राष्ट्रवाद का नारा देने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के साथ साथ स्वतंत्रता सेनानी परिवारों ने भी चिंता प्रकट की।इसी मुद्दे पर व स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कांग्रेस का राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस प्रकोष्ठ गठित करने के उद्देश्य से हरिद्वार में यह सम्मेलन आयोजित कर रहा है। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने बताया कि स्वतत्रंता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ का अखिल भारतीय स्तर पर पुर्नगठन करने, कांग्रेस घोषणा पत्र में उत्तराधिकारियों के मांगो को स्थान देने, नेता प्रतिपक्ष से विधानसभा में प्रमुख मांगो को उठाये जाने, पूर्व की भाँति सेनानी आश्रितों को 10 प्रतिशत क्षैतिज, आरक्षण दिये जाने जैसी महत्वपूर्ण मांगो को पुरजोर ढंग से सम्मेलन में रखा जाएगा।स्वतंत्रता सेनानी परिवार से प्रकोष्ठ के महामंत्री बने अवधेश पन्त, सुरेन्द्र कुमार सैनी आदि स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियो ने कांग्रेस के खोये जनाधार को वापस लाने की प्रतिबद्धता को सम्मेलन में दोहराने की बात कही है।

पुलिस प्रशासन के बजाए कृष्ण भरोसे है वृंदावन के श्रद्धालु!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

कभी श्रीकृष्ण की लीलाओं का केंद्र रहे वृंदावन में उन्ही लीलाओं का आभास करने देश दुनिया से श्रीकृष्ण भक्त दौड़े चले आते है। उनकी इसी भक्ति का लाभ उठाकर वृंदावन के रिक्शेवाले, ऑटो चालक, गाईड,होटल संचालक और कुछ पंडित उनसे मनमाने दाम वसूलते है।जेबकतरों की भी पौबारह है ,अगर कोई इनसे बच निकला तो बंदर उन्हें सरे राह लूट लेते है।श्रद्धालुओं का उनके चलते चलते चश्मा उतार लेना या फिर मोबाईल छीन लेना इन बंदरो के बाएं हाथ का खेल है। पुलिस से लेकर नगर निगम तक सब उक्त सबको रोक पाने में विफल है। मै और मेरी पत्नी सुनीता मित्र डाक विभाग के पूर्व एसएसपी अरविंद भारद्वाज की बदौलत डाक विभाग के निरीक्षण भवन में ठहरे, वहां से जैसे ही बाहर निकले एक बंदर ने पीछे से आकर अरविंद भारद्वाज का चश्मा उतार लिया और फिर बंदरो की जमात ने कई फ्रूटी पीने के बाद चश्मे को लौटाया।वृं दावन के श्रीबांकेबिहारी मंदिर में तो सबकुछ श्रीकृष्ण के ही हवाले है।तंग गलियों में बेकाबू भीड़ और मंदिर के अंदर क्षमता से अनेक गुणा बढ़ती भीड को नियंत्रित करने के कोई इंतजाम नही है। श्रद्धालुओं को तो बस धकिया कर आगे बढ़ाना ही उन्हें आता है।प्रवेश द्वार से पहले छोड़े गए जूते चप्पलों को वापस लेना तो भूल ही जाओ।इसी भारी भीड़ के कारण कुरुक्षेत्र के एक वृद्ध श्रद्धालु की हुई मौत ने पुलिस प्रशासन के इंतजाम की पोल खोलकर रख दी है। भीड़ को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही है। पुलिस प्रशासन को लगातार बढ़ रही मंदिर में भीड़ से कोई सरोकार नहीं है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ में लगता इजाफा हो रहा है, पर पुलिस प्रशासन के अफसरों का इस ओर ध्यान नहीं है। मंदिर में इंतजाम लचर हो जाते हैं। अतीत को खोजे तो 27 अप्रैल 2009 को अक्षय तीज पर्व पर मंदिर में दम घुटने से कानपुर निवासी 85 वर्षीय रमा माहेश्वरी की मौत हुई थी, जबकि रोहिणी निवासी सरला अग्रवाल और रोहतक निवासी ब्रह्मानंद घायल हुए थे, इसी तरह 21 जुलाई 2012 हरियाली तीज से एक दिन पूर्व मंदिर में भीड़ के चलते दिल्ली के शकरपुर निवासी 67 वर्षीय देशराज की दम घुटने से मौत हो हुई थी।19 अगस्त 2012 बांकेबिहारी मंदिर में लगी स्टील की रेलिंग के टूटने से कई श्रद्धालुओं सहित बच्चे घायल हो गए थे। 9 सितंबर 2012 यहां रेलिंग में फंसने से हाथरस निवासी उर्मिला गुप्ता और चंदौसी निवासी बीना शर्मा घायल हुए थीं। एक जनवरी 2017 भीड़ में दबकर दिल्ली निवासी महेश अरोड़ा और अमृतसर निवासी दलजीत घायल हो गए थे। जबकि 12 फरवरी 2022 गाजियाबाद निवासी 65 वर्षीय लक्ष्मण सिंह की मंदिर के 4 नंबर गेट के बाहर मौत हो गई थी। 12 मार्च 2022 को मुंबई से वृंदावन दर्शन करने आई 60 वर्षीय महिला मधु अग्रवाल की मौत हो गई थी। इसी प्रकार 19 व 20 अगस्त 2022 की भोर मंगला आरती के वक्त भीड़ से दो श्रद्धालुओं की मौत, छह घायल हुए थे। वृंदावन को श्रीकृष्ण की अलौकिक बाल लीलाओं का केन्द्र माना जाता है। यहाँ विशाल संख्या में श्री कृष्ण और राधा रानी के मन्दिर हैं। बांके विहारी जी का मंदिर, श्री गरुड़ गोविंद जी का मंदिर व राधावल्लभ लाल जी का, ठा.श्री पर्यावरण बिहारी जी का मंदिर बड़े प्राचीन हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ श्री राधारमण, श्री राधा दामोदर, राधा श्याम सुंदर, गोपीनाथ, गोकुलेश, श्री कृष्ण बलराम मन्दिर, पागलबाबा का मंदिर, रंगनाथ जी का मंदिर, प्रेम मंदिर, श्री कृष्ण प्रणामी मन्दिर, अक्षय पात्र, वैष्णो देवी मंदिर। निधि वन, श्री रामबाग मन्दिर आदि भी दर्शनीय स्थान है।श्रीमद्भागवत के अनुसार गोकुल से कंस के अत्याचार से बचने के लिए नंदजी कुटुंबियों और सजातीयों के साथ वृन्दावन में निवास के लिए आये थे। विष्णु पुराण में इस प्रसंग का उल्लेख मिलता है। विष्णुपुराण में भी वृन्दावन में हुई श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन है।यहां के बारे में कहावत है कि राधे-राधे गाते रहना जल्दी-जल्दी वृंदावन आते रहना। उत्तर प्रदेश में मथुरा से मात्र 15 किलोमीटर दूर बसा वृंदावन सिर्फ एक धार्मिक स्थल ही नहीं बल्कि धार्मिक आस्था का केंद्र भी है। वृंदावन की भक्ति एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। बांके बिहारी मंदिर और इस्कॉन मंदिर के साथ साथ वृंदावन में बहुत कुछ है,जहां शांति व ईश्वरीय अनुभूति होती है। यहां की गलियां श्रीकृष्ण और राधा-रानी के प्रेम का सार बताती हैं।वही शांत और भव्यता से बहती हुई यमुना के तट पर स्थित केसी घाट की सुंदरता सूर्योदय और सूर्यास्त से कई गुना बढ़ जाती है। घाट पर होने वाली शाम की आरती में शामिल होने का अहसास भी अलग है। मान्यता है कि इस घाट पर भगवान श्रीकृष्ण राक्षस केसी का वध करने के बाद स्नान के लिए गए थे। राधा रमन मंदिर बेहद ही सुंदर है। यह मंदिर भगवान कृष्ण को समर्पित है, जिन्हें राधा रमन माना जाता है, जिसका अर्थ है राधा को प्रसन्न करने वाला। मान्यता है कि मंदिर में ठाकुर जी की एक मूर्ति में 3 छवि नजर आती हैं कभी यह छवि गोविंद देव जी की तरह दिखती है तो कभी वृक्ष स्थल गोपी नाथ की तरह नजर आती है और कभी चरण मदन मोहन जी के विग्रह रूप के दर्शन देती है।मथुरा-वृंदावन के मंदिरों में रंगजी मंदिर सबसे खास है। जहां का बैकुंठ दरवाजा साल में सिर्फ एक बार ही खुलता है। कहा जाता है कि जिसने भी इस दरवाजे को पार कर लिया उसे मोक्ष मिल जाता है। जो सिर्फ बैकुंठ एकादशी के दिन खोला जाता है। इस मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के मंदिरों की तर्ज पर किया गया है। एक बार जब राधा-रानी रास के बीच में गायब हो गईं तो श्री कृष्ण इमली के पेड़ के नीचे बैठकर विरह की भावना में लीन हो गए और राधा-रानी के मधुर नाम का जाप करने लगे।यह स्थान ईमली तला मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है।मथुरा-वृंदावन रोड पर स्थित पागल बाबा मंदिर एक भक्त की भक्ति का सबूत है। मान्यता है कि उधारी को लेकर जब एक भक्त का मामला कोर्ट पहुंचा तो बांके बिहारी गवाही देने के लिए चले आए थे। बता दें पागल बाबा मंदिर 221 फीट ऊंचा सफेद संगमरमर के पत्थरों से बना हुआ है।निधिवन से बमुश्किल एक किलोमीटर की दूरी पर सेवाकुंज है। मान्यता है कि यह वही वन है जहां भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ रासलीला की थी।इस वन के बीचों-बीच एक मंदिर है, इसी मंदिर में श्रीकृष्ण आज भी राधा रानी के साथ रात में विश्राम करते हैं जिसकी निशानी भी सुबह दिखती है। माना जाता है कि यहां श्रीकृष्ण ने राधा रानी की सेवा की थी इसलिए इसे सेवा कुंज कहते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बीसीए के बाद एमसीए करें या एमबीए, जानिए किसमें मिलेगा कमाई का बेहतर अवसर

बैचलर डिग्री पूरी करने के बाद स्टूडेंट्स एमबीए और एमसीए में एडमिशन को लेकर काफी कंफ्यूज रहते हैं। ऐसे में उन्हें समझ नहीं आता कि उनके लिए कौन सा कोर्स बेहतर है। वहीं किस कोर्स को करने में उन्हें कितनी एवरेज सैलरी मिलेगी। तो आप इस आर्टिकल से सारी जानकारी ले सकते हैं।

बीसीए करने वाले छात्र अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूजन में रहते हैं कि एमसीए किया जाए या फिर एमबीए । बीसीए एक ऐसा कोर्स है, जो कंप्यूटर एप्लीकेशन के शुरूआती तौर पर परिचय करवाता है। क्योंकि बीसीए करने के दौरान आपको समझ आ जाता है कि आपमें सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर की योग्यता रखते भी हैं या नहीं। बीसीए करने के बाद एमसीए या एमएससी करने का तभी मतलब होता है, जब आप एक सॉफ्टवेयर कंप्यूटर प्रोग्रामर बनना चाहते हों। बता दें कि देश में सॉफ्टवेयर कंपनियां काफी ज्यादा हैं, जो हर साल बड़ी संख्या में एमसीए या एमएससी कंप्यूटर छात्रों का चयन करती हैं।

हालांकि अगर आपको लगता है कि प्रोग्रामिंग स्किल और लॉजिक आपके वश की बात नहीं है, तो ऐसे में बीसीए के बाद आपको एमबीए करना चाहिए। एमसीए के आखिरी सेमेस्टर में स्टूडेंट्स को स्पेशलाइजेशन का पेपर लेना होता है। वहीं एक समय में सिर्फ चार स्पेशलाइजेशन के पेपर होते थे। जिनमें मार्केटिंग, फाइनेंस, एचआर और प्रोडक्शन शामिल थे। लेकिन अब अतिरिक्त ढेरो नए स्पेशलाइजेशन पेपर के ऑप्शन में एमसीए उपलब्ध है। जिनमें एक है सिस्टम या आईटी। इसके अलावा, ई कॉमर्स में काम करने वाली कंपनियां, जैसे अमेजन, टाटा, रिलायंस डिजिटल और फ्लिपकार्ट जैसी अनगिनत कंपनियों में स्टूडेंट्स को नौकरी में तरहीज देती है। इसमें वह छात्र शामिल होते हैं जिनको कंप्यूटर के साथ मैनेजमेंट की भी अच्छी खासी जानकारी हो। तमाम कंपनियां अपने आईटी संबंधी प्रोजेक्ट के लिए ऐसे छात्रों को हायर करती हैं।

कॅरियर संभावनाएं

बता दें कि एमबीए उन छात्रों के लिए अच्छा है, जो बिजनेस फील्ड में काम करने के इच्छुक होते हैं। एमबीए करने वाले छात्रों को मार्केटिंग, फाइनेंस और ह्यूमन रिसॉर्सेज में काम करने का मौका मिलता है। वहीं अगर सैलरी की बात की जाए तो ऐवरेज सैलरी 5-6L PA होती है। वहीं एमसीए के बाद उन छात्रों को अच्छे मौके मिलते हैं जिन्हें एकेडमिक्स और रिसर्च में इंट्रेस्ट होता है। जिन छात्रों को मैथ्स पसंद है, उनके लिए एमसीए इसके लिए है। एमसीए में आपकी एवरेज सैलरी 4-5L PA होती है।

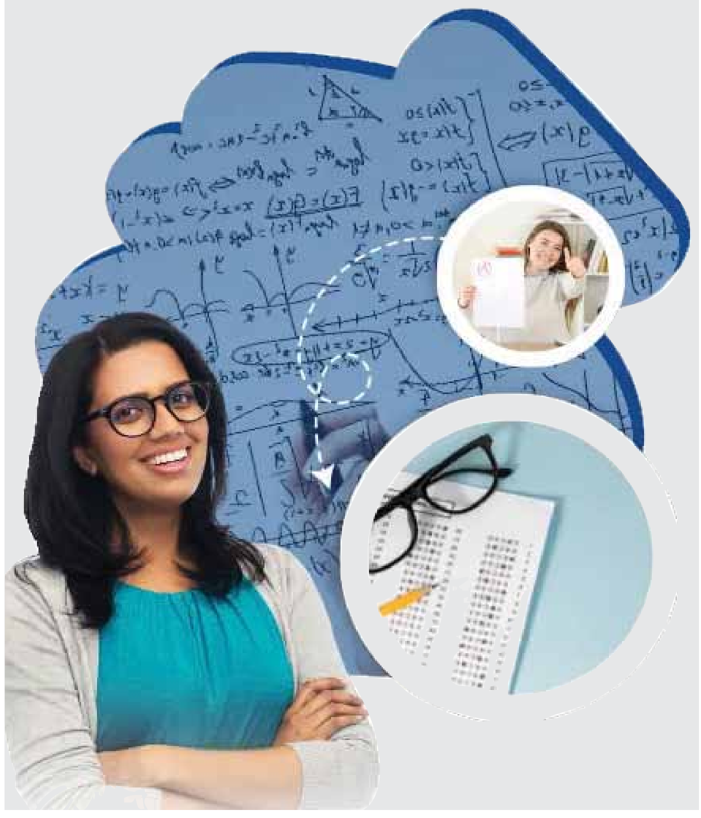

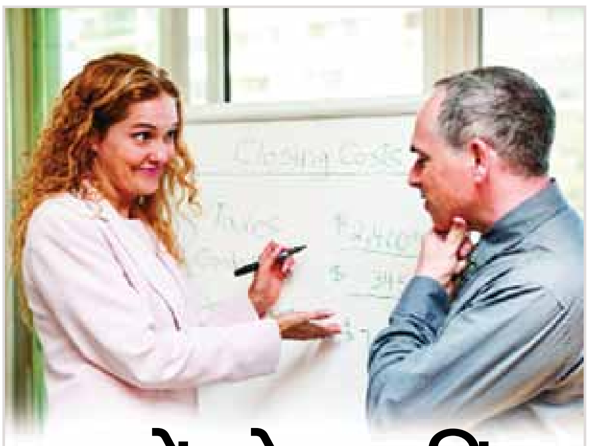

दूसरों को कनविंस करना भी एक स्किल है

आजकल सबसे मुश्किल कामों में से एक है दूसरों को कनविंस करना, यानी अपनी बात मनवाना। यह भी एक स्किल है। अगर आपमें यह स्किल मौजूद है, तो आप निजी जीवन और करियर में भी सफल रहेंगे। जानें अपनी बात मनवाने के कुछ नुस्खे।

अच्छे तर्क दें

लोगों से अपनी बात मनवाने के लिए आपका तार्किक होना बहुत जरूरी है और तार्किक होने के लिए आपके पास तर्क किए जाने वाले विषय का ज्ञान जरूर होना चाहिए। आपके पॉइंट्स में वजन होना चाहिए। सामने वाले को कभी ऐसा न लगे कि आप खुद को बहुत विद्वान दिखा रहे हैं। नहीं तो उसका ईगो आड़े आ सकता है और वह किसी भी कीमत पर आपकी बात मानना तो दूर, सुनना भी नहीं चाहेगा।

विनम्रता से बोलें

आप जो भी बात करें, उसे बहुत विनम्रता के साथ करें। इससे सामने वाले के अहम को ठेस नहीं लगेगी और वह आपकी बात सुनेगा। कोई भी बात स्पीड में न बोलें, नहीं तो सामने वाले को समझने में दिक्कत आ सकती है और साथ ही वह आपकी बात में रुचि नहीं लेगा, चाहे बात कितनी भी वजनदार क्यों न हो।

बॉडी लैंग्वेज हो सही

आपकी बॉडी लैंग्वेज में अकड़ नहीं दिखना चाहिए। हमेशा अपनी स्वाभाविक स्टाइल में रहें। न कभी झुककर बैठें और न ही झुककर खड़े हों। सीधे बैठने और खड़े रहने से आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे सामने वाला प्रभावित होता है। बात करते समय आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें। चेहरे पर मंद मुस्कान जरूर बनाए रखें। इससे सामने वाले को सकारात्मक संकेत जाएगा।

बात काटें नहीं

अगर आप चाहते हैं कि सामने वाला आपकी बात सुने, तो वह भी आपके बारे में यही सोच रहा होता है। इसलिए एक-दूसरे की बात को सुनें और सामने वाले की बात पूरी होने पर ही अपनी बात रखें, उसकी बात काटें नहीं।

कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन

सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है।

ज्यादातर लोग कुछ दिन रिलैक्स करने के लिए अलग-अलग पर्यटन स्थलों की शॉर्ट या लॉन्ग ट्रिप प्लान करते हैं। ऐसी जगहों पर स्पा सेंटर्स की खासी मांग होती है, जिसका कारण है यहां मिलने वाली मसाज थैरेपी। अगर आपको लगता है कि यह मसाज हर व्यक्ति की अपनी टेक्निक पर आधारित होती है, तो आप गलत हैं। स्पा मैनेजमेंट कोर्स में स्पा से जुड़ी हर सर्विस की जानकारी व ट्रेनिंग दी जाती है। सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है। लेटेस्ट ट्रेंड्स के मुताबिक सर्विस इंडस्ट्री में स्पा मैनेजमेंट बेहतरीन करियर ऑप्शन के तौर पर उभरा है। अगर आपको भी सर्विस इंडस्ट्री में रुचि है, तो आप बन सकते हैं अच्छे स्पा मैनेजर।

क्या है स्पा मैनेजमेंट

जैसा कि नाम से जाहिर है, स्पा मैनेजमेंट में स्पा से जुड़ी हर एक्टिविटी प्लान की जाती है, जिसमें वीकली और मंथली प्लान बनाना, उस पर अमल और मार्केटिंग एक्टिविटीज का मूल्यांकन करना शामिल है। साथ ही स्पा का बजट बनाना व स्टाफ को रिक्रूट करके उन्हें ट्रेन करना भी स्पा मैनेजर के काम में शामिल है।

कैसी स्किल्स चाहिए

बतौर स्पा मैनेजर प्रभावशाली करियर बनाने के लिए आपमें कम्प्यूटर प्रॉफीशियंसी, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, बेहतरीन ऑर्गेनाइजेशनल स्किल्स, इंटर-पर्सनल स्किल्स और अच्छी लीडरशिप स्किल्स होनी चाहिए। इसके अलावा आपमें गेस्ट्स और स्टाफ से सकारात्मकता के साथ व्यवहार करने की क्षमता होनी चाहिए। इन स्किल्स से आपको इंडस्ट्री में एक उच्च स्तर तक पहुंचने में मदद तो मिलेगी ही, साथ ही जॉब के लिए सकारात्मक रवैया बनाए रखने और करियर के उतार-चढ़ाव से निपटने में भी मदद मिलेगी।

भविष्य की संभावनाएं

स्पा मैनेजर्स को पार्ट टाइम, फुल टाइम और कॉन्ट्रैक्चुअल बेसिस पर हायर किया जाता है। आप चाहें, तो खुद का स्पा सेंटर भी खोल सकते हैं। वैसे सर्विस इंडस्ट्री के सेग्मेंट्स जैसे होटल्स, रिजॉर्ट्स, हेल्थ क्लब्स, क्रूज शिप्स, थैराप्यूटिक सलून्स में आपको अच्छे पे-पैकेज पर जॉब मिल सकती है।

क्या है वर्क प्रोफाइल

बतौर स्पा मैनेजर आपके पास जनरल बुक कीपिंग, सप्लाइज ऑर्डरिंग, इन्वेंटरी मैनेजिंग और पे-रोल फंक्शंस के कोऑर्डिनेशन का काम होगा। इसके अलावा हर एक्टिविटी की प्लानिंग और उस पर अमल का जिम्मा भी आपका ही होगा। आपको स्पा का बजट मैनेज करने से लेकर वीकली वर्क शेड्यूल बनाने और स्टाफ के प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए वर्कशॉप्स कराने तक सारे काम करने होंगे। इसके अलावा नए स्पा प्रोडक्ट्स और अपग्रेडेशन का भी ध्यान रखना होगा।

सैलरी कितनी

स्पा मैनेजर्स की सैलरी उनके अनुभव व शिक्षा पर निर्भर होती है। यह भी मायने रखता है कि आप स्पा सेंटर को कितना बिजनेस दे रहे हैं। आम तौर पर फ्रेशर्स को 15 से 18 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिलती है, जो अनुभव के साथ बढ़ती है। वहीं प्रोफेशनल्स 10-15 लाख तक के पैकेज पर काम करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नैजरेथ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ऐजॉल (मिजोरम)
- आनंदा स्पा इंस्टीट्यूट, हैदराबाद
- स्वास्थ्य आयुर्वेद पंचकर्म ट्रीटमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर, कन्नूर
- माधवबाग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मुंबई
- केरल आयुर्वेद अकैडमी, अलूवा

प्रतियोगी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण होंगे ये टिप्स

मेडिकल प्रवेश के लिए हर साल लाखों छात्र तैयारी करते हैं और अपनी-अपनी रणनीति तय करते हैं। कुछ टिप्स, जो न केवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में, बल्कि किसी भी अन्य प्रतियोगी परीक्षा में भी महत्वपूर्ण होंगे। यहां यह बताना जरूरी है कि देश के लगभग सभी सफल लोगों की यही रणनीति रही है।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल परीक्षा के सिलेबस को अच्छी तरह जान लें और उससे संबंधित अध्ययन सामग्री की लाइब्रेरी तैयार कर लें। उपयुक्त अध्ययन सामग्री के चयन में अपने शिक्षक से सलाह लें।
- तैयारी में अपनी पढ़ाई के घंटे न जोड़ें, बल्कि उन घंटों में अपनी उपलब्धि पर ध्यान दें।
- पिछले पांच वर्षों के प्रश्न-पत्र हल करने का प्रयास करें। आप समझ जायेंगे कि आपको कैसी जरूरत है।
- सेलेक्टिव स्टडी से बचें। किसी को भी सेलेक्टिव स्टडी के आधार पर कोई सफलता नहीं मिली।
- प्रश्न हल करने में तेजी लाने का अभ्यास करें, ताकि आपके पास अपने प्रश्न हल करने और उन्हें दोहराने का पूरा समय हो। इसके लिए टाइम मैनेजमेंट सबसे बढ़िया तरकीब है।
- तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर का चुनाव करते समय उसके पुराने ट्रैक रिकॉर्ड देख लें कि वहां सफलता की दर क्या है। फैकल्टी और अध्ययन सामग्री की जानकारी प्राप्त कर ही वहां दाखिला लें।
- अपनी शंकाओं की सूची तैयार करें और तत्काल अपने शिक्षक या गाइड से उसका समाधान लें।
- परीक्षा के समय के लिए भी कुछ टिप्स हैं। यदि आपको परीक्षा में ऐसा आभास हो कि कोई प्रश्न मुश्किल है और आपका ज्यादा समय ले रहा है तो उसे छोड़ कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय मिलने पर पुन: उस पर ध्यान दें।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे अश्विन

- गंभीर की कोचिंग में पहली बार खेलेंगे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिन आर अश्विन अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज से एक बार फिर टीम में वापसी करेंगे। अश्विन पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे थे। इसी सीरीज के बाद सत्र में होने वाले सभी टेस्ट मैच में वह भारतीय टीम की ओर से खेलेंगे। इसमें बॉर्डर गावस्कर सीरीज भी है। अश्निन को इस बार एक बदलाव देखते को ये मिलेगा कि टीम के कोच के तौर पर उन्हें गौतम गंभीर नजर आयेंगे। ये गंभीर के मार्गदर्शन में उनकी पहली सीरीज होगी। अश्विन ने गंभीर की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट के नायकों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'गौतम ऐसे व्यक्ति हैं जिनके साथ मेरे अब भी बहुत अच्छे संबंध हैं। इस तथ्य के कारण कि वह बहुत सीधे और ईमानदार व्यक्ति हैं। अश्विन ने कहा, 'मुझे लगता है कि गौतम भी उन लोगों में से एक हैं जिनका हमें हमेशा समर्थन करना चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट के हीरो हैं। इसके साथ ही अश्विन ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से युवा खिलाड़ी कोचों और मार्गदर्शकों पर निर्भर हो रहे हैं। वह ठीक नहीं है। अश्विन के अनुसार इससे बल्लेबाज नये विचार और नई सोच विकसित नहीं कर पाते हैं और उन्हें कोच जो बताता है। वे वहीं तक सीमिल हो जाते हैं। अश्विन ने कहा कि इसलिए मुझे अभी भी पारंपरिक रूप से कोच पर निर्भर रहने का विचार नहीं आया। साथ ही कहा कि इसी कारण वह कठिन दौर से भी स्वयं सामाधान खोजने की अपनी क्षमता के कारण निकल आते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत सारे खिलाड़ी कोच या मार्गदर्शक या किसी एक व्यक्ति पर जरुरत से ज्यादा निर्भर होते हैं जो मुझे लगता है कि सही नहीं है। इससे वे नये विचारों के लिए तैयार नहीं होते। अश्विन ने कहा कि उनके पास भी राज्य टीम के पहले कोच डब्ल्यूवी रमन जैसे कोच रहे हैं पर उन्होंने कभी नहीं कहा कि तुम्हें मेरे बताये रास्ते पर ही चलना है। इसी कारण वह अपनी मुश्किलों के समाधान स्वयं खोजते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अक्सर कोच की चुनौती आपके लिए कई समाधान देने में सक्षम होना होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो एक विशेष खिलाड़ीके लिए काम करता है, वह शायद दूसरे के लिए काम नहीं करे। अश्विन ने कहा, 'एक आधुनिक कोचिंग का पहलू जिससे मैं पूरी तरह असहमत हूं, वह यह है कि वे उसी समाधान को दूसरे को देने का प्रयास करते हैं जिससे किसी को लाभ हुआ हो। कुछ खिलाड़ी अपने कोच के नजरिए से सफल भी होते हैं पर उन्हें यह भी लगता है कि इस तरह की निर्भरता आपकी सोच को सीमित कर सकती है। वहीं एक क्रिकेटर के तौर पर आपको लगातार नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है इसलिए आपको अपने जवाब खुद ही तलाशने चाहिए। उन्होंने कहा, 'लोग आपकी मदद कर सकते हैं पर वे आपके करियर में आपका मार्गदर्शन नहीं कर सकते, आपको नए विचारों के लिए स्वयं तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, 'कोच रमन ने मुझे अपने को जाहिर करने की आजादी दी और आप जानते हैं, नई चीजों को आजमाने की। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि मुझे कैसे और किस रास्ते पर चलना है लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा, 'यह वह रास्ता है जिस पर आपको चलना है। अश्विन ने कहा, 'तो एक तरह से, मेरे शुरुआती दिनों में, डब्ल्यूवी के मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि मैं कभी भी किसी पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहा। अश्विन ने कहा कि दूसरी राय लेना कभी भी बुरा विचार नहीं है लेकिन क्रिकेट मुख्य रूप से एक स्वयं सिखाया हुआ खेल है। उन्होंने कहा, 'यदि आपको अपने खेल के बारे में जानकारी नहीं है और यदि आप खुद को नहीं सिखा सकते हैं, तो मुझे लगता है कि आप हमेशा किसी पर निर्भर रहने वाले हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत खतरनाक हिस्सा है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उनकी खास 'कैरम बॉल को समझने के लिए संघर्ष करना पड़ा है और उन्हें इसमें पारंगत होने में लगभग तीन साल लग गए। अश्विन ने कहा, 'मैंने 2006 या 2007 के बाद से नेट्स में ऐसी गेंदें फेंकना शुरू किया जो शायद मेरे लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट का दूसरा सत्र था। उन्होंने कहा, '2008 में विजय हजारे ट्रॉफी (केएस सुब्बैया पिल्लई ट्रॉफी) के दक्षिण क्षेत्र के मैचों के दौरान मैंने लगभग दो साल बाद इस गेंद को फेंका। 2010 तक मैं जिस गति से गेंदबाजी करता था, उसके बारे में शायद काफी आश्वस्त था। इसलिए मुझे आत्मविश्वास हासिल करने में लगभग दो से तीन साल लग गए। आईपीएल ने युवा भारतीय क्रिकेटरों के जीवन को बदल दिया है और देश के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए 'शानदार रहा है लेकिन अश्विन का मानना है कि एक महत्वाकांक्षी क्रिकेटर के लिए अंतिम लक्ष्य हमेशा देश के लिए खेलना होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि बहुत सारे युवा बच्चे अब आगे आ रहे हैं और अच्छी कमाई कर रहे हैं।

रिजवान ने बाबर की ओर फेंका बल्ला

रावलपिंडी। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान बांग्लादेश के साथ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन दोहरे शतक के करीब पहुंचकर भी उसे नहीं बना सके। रिजवान ने अपनी पारी में जब 171 रन बना लिए थे तभी कप्तान शान मसूद ने पारी घोषित कर दी। इस कारण भड़के हुए रिजवान ने पवेलियन लौटते समय अपना बल्ला बाबर आजम के सामने फेंक दिया। तब आजम बाउंड्री के करीब थे। रिजवान और बाबर आजम लंबे समय से पारी की शुरुआत करते रहे हैं। ऐसे में दोनो में अच्छी दोस्ती है। इसी कारण रिजवान जब मैदान से बाहर जा रहे थे तब, बाबर उनकी तारीफ करने के लिए बाउंड्री के पास आये थे। ऐसे में रिजवान ने बाबर को देखकर बल्ला उनकी ओर उछाल दिया। बाबर ने तेजी से बल्ले को पकड़ लिया। इसके बाद दोनो हंसी मजाक करते दिखे। रिजवान का यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में रिजवान और उपकप्तान सउद शकील के बीच 5वें विकेट के लिए 240 रन की साझेदारी हुई। पाकिस्तान ने 6 विकेट पर 448 रन पर पारी घोषित कर दी। वहीं रिजवान ने 239 गेंद में 11 चौके और तीन छक्के लगाकर 171 रन बनाये जबकि बायें हाथ के बल्लेबाज शकील ने 261 गेंद में नौ चौके की मदद से 141 रन रन बनाए।

अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज अगले साल जून से अगस्त के बीच खेली जाएगी। इसका पहला मैच 20 जून से होगा। वहीं अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से शुरू होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड के पिछले दौरे में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य जीतना रहेगा। भारत ने 2021 में इंग्लैंड दौरे पर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर तब कोरोना संक्रमकण के चलते सीरीज बीच में रोक दी गयी थी। बाद में सीरीज का बाकी बचा एकमात्र मैच खेला गया, जिसे इंग्लैंड ने जीता। इस तरह सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से ठीक पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की रेस में सबसे आगे है और उसके खिताबी मुकाबले में पहुंचने की पूरी उम्मीदें हैं। इसके बाद इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज शुरू होगी। भारत-इंग्लैंड सीरीज 20 जून को शुरू होगी।अगर पांचवां टेस्ट मैच पांच दिन चलता है तो सीरीज 4 अगस्त को खत्म होगी। सीरीज का पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा. दूसरा मैच बर्मिंघम और तीसरा मैच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। सीरीज का चौथा मैच मैनचेस्टर और पांचवां मैच 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा।

भारत इंग्लैंड सीरीज 2025 का कार्यक्रम इस प्रकार है :

- पहला टेस्ट 20 से 24 जून लीड्स
- दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई बर्मिंघम
- तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई लंदन
- चौथा टेस्ट 23 से 27 जुलाई मैनचेस्टर
- पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त ओवल

लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे नीरज

लुसाने। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। नीरज ने यहां अपने अंतिम थ्रो में 89.49 मीटर दूरी तक भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। ये उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा है। वहीं ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.61 मीटर के अंतिम थ्रो के साथ ही पहला स्थान जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने 88.37 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चौथा स्थान यूक्रेन के आर्टुर फेलनर ने हासिल किया, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 83.38 मीटर था। इससे पहले पेरिस ओलंपिक में नीरज ने रजत हासिल करने के दौरान 89.45 मीटर की दूसरी तय की थी। चौथे राउंड के अंत तक चोपड़ा चौथे स्थान पर थे पर पांचवें थ्रो में वह 85.58 मीटर की दूरी तय करने में सफल रहे और शीर्ष तीन में शामिल हो गए। इस प्रकार वह डायमंड लीग 2024 के फाइनल में पहुंच गए। इसका आयोजन अगले महीने ब्रुसेल्स में किया जाएगा। पेरिस में चोपड़ा ने 89.45 मीटर तक भाला फेंका, जो टोक्यो में उन्हें स्वर्ण पदक दिलाने वाले 87.58 मीटर से अच्छा थ्रो था पर ये स्वर्ण जीतने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ था।

काउंटी में अगले साल नहीं खेलेंगे पुजारा, ह्यूज शामिल

लंदन। भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा अब अगले साल काउंटी क्रिकेट नहीं खेलेंगे। इसका कारण है कि काउंटी टीम ससेक्स ने पुजारा का करार समाप्त कर दिया है। ससेक्स ने पुजारा की जगह ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ह्यूज को शामिल कर लिया है। इसी कारण उसने पुजारा को हटा दिया है। अब अगले साल बाएं हाथ के बल्लेबाज ह्यूज सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों में खेलेंगे। ससेक्स ने यह भी कहा कि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मैचों में उसकी टीम से खेलेंगे। पुजारा ने 2024 में लगातार तीसरी बार ससेक्स की ओर से खेला था। उन्होंने ह्यूज की वापसी से पहले पहले सात चैंपियनशिप मैच खेले थे। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा,''पुजार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, ऐसे में उनसे करार समाप्त करना आसान काम नहीं था पर ह्यूज की हमें जरूरत थी। इसलिए ये बदलाव करना पड़ा। हमें खुशी है कि वह अगले पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे!''ह्यूज ने इस साल के ब्लास्ट के ग्रुप चरण में 43.07 की औसत से 560 रन बनाए जिसमें पांच अर्द्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा। वह वर्तमान सत्र में काउंटी चैंपियनशिप के बाकी बचे पांच मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। पुजारा ने टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था! इसके बाद से वह टीम इंडिया से बाहर हैं।

व्यापार

बढत के बाद फिसले घरेलू शेयर बाजार

सेंसेक्स और निफ्टी सपाट स्तर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की, लेकिन बाद में वैश्विक बाजारों में नरम रुख और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच इनमें गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 37.32 अंक की बढ़त के साथ 81,090.51 अंक पर खुला। एनएसई निफ्टी 18.25 अंक चढ़कर 24,829.75 पर पहुंच गया। बाद में दोनों सूचकांकों ने अपनी शुरुआती बढ़त खो दी। बीएसई 117.82 अंक की गिरावट के साथ 80,935.37 अंक पर और निफ्टी 34.55 अंक फिसलकर 24,776.95 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से इंफोसिस, टाइटन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा और एशियन पेंट्स के शेयर में गिरावट आई। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मास्यूटिकल्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में तेजी आई। वहीं भारतीय शेयर बाजार में पॉजिटिव ग्लोबल रुझानों के कारण गुरुवार को मामूली बढ़त देखने को मिली। व्यापक बाजारों में, मिड और स्मॉल-कैप सूचकांकों ने सेंसेक्स और निफ्टी सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.67 प्रतिशत और बीएसई स्मॉलकैप में 0.47 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। बीएसई सेंसेक्स 147.89 अंक बढ़त लेकर 81,053.19 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 41.30 अंक की बढ़त के साथ 24,811.50 पर बंद हुआ। एशिया-प्रशांत बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे क्योंकि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की टिप्पणियों का इंतजार कर रहे हैं। निवेशक फेड की भविष्य की नीतिगत दिशा पर मार्गदर्शन का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट पर था, जबकि टॉपिक्स सूचकांक 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ लगभग स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.13 प्रतिशत गिरा, जबकि कोस्डेक में 0.79 प्रतिशत की गिरावट आई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 सूचकांक 0.40 प्रतिशत की गिरावट पर रहा। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,543 स्तर पर आ गया।

भारत ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ नहीं, बल्कि चाहता है कि वे निष्पक्ष रहें: गोयल

ऑनलाइन कारोबार करने वालों को प्रतिस्पर्धा करने का उचित अवसर सुनिश्चित करने की जरूरत

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ नहीं है, बल्कि चाहता है कि वे निष्पक्ष और ईमानदार रहें। गोयल ने कहा कि ऑनलाइन कारोबार करने वालों को प्रतिस्पर्धा करने का उचित अवसर सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। गोयल ने हाल ही में ई-कॉमर्स कंपनियों की बाजार खराब करने वाली कीमतों के बारे में चिंता जताई और देश में छोटे खुदरा विक्रेताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात की थी। उन्होंने अपनी आशंकाओं को सार्वजनिक रूप से भी व्यक्त किया और ई-कॉमर्स क्षेत्र के बड़े पैमाने पर वृद्धि के साथ बड़े सामाजिक व्यवधान की चेतावनी दी। गोयल ने हाल ही में यहां एक कार्यक्रम में कहा कि इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि हम एफडीआई लाना चाहते हैं, हम प्रौद्योगिकी को आमंत्रित करना चाहते हैं, हम दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं और हम ऑनलाइन के बिल्कुल भी खिलाफ नहीं हैं। देश हमेशा यही चाहता है कि ग्राहकों के प्रति निष्पक्ष व्यवहार हो, ईमानदारी बरती जाए, वस्तुओं और सेवाओं के आपूर्तिकर्ताओं के प्रति ईमानदारी हो और यह सुनिश्चित हो कि अन्य लोगों को भी ऐसे ऑनलाइन व्यापार के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का उचित अवसर मिले। गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र में गति और सुविधा जैसे बड़े लाभ हैं। सरकार चाहती है कि ऐसी कंपनियां देश के लोगों की सेवा करें। पीयूष गोयल ने दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की घोषणा पर पिछले दिनों सवाल उठाते हुए कहा था कि अमेरिकी कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में हुए नुकसान की भरपाई कर रही है। उन्होंने कहा था कि भारत में अमेजन को हुआ भारी घाटा असल में बाजार बिगाड़ने वाली बेहद कम कीमतों पर उत्पादों की बिक्री के तौर-तरीकों को बयां करता है लेकिन यह भारत के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इसका असर करोड़ों छोटे खुदरा विक्रेताओं पर पड़ता है।

सोना और चांदी के भाव तेजी के साथ खुले

- सोना 71,400 रुपए, चांदी लगभग 84,000 रुपए

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 71,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। लेकिन बाद में इसके भाव भी चढ़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 280 रुपये की तेजी के था, 71,474 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 190 रुपये की तेजी के साथ 71,384 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 831 रुपये की तेजी के साथ 84,567 रुपये पर खुला। इस समय यह 287 रुपये की तेजी के साथ 84,023 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।वैश्विक बाजार में सोने की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। लेकिन बाद में इसके भाव में भी तेजी देखी जाने लगी। कॉमेक्स पर सोना 2,521.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,516.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 7.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,524.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.99 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.04 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 29.14 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बैंकों का कामकाज 24 अगस्त से तीन दिन बंद रहेगा

नई दिल्ली। बैंकों का कामकाज शनिवार 24 अगस्त से लगातार तीन दिन बैंक बंद रहने वाला है। लेकिन ऑनलाइन बैंकिंग (नेट बैंकिंग) की सुविधा मिलना जारी रहेगी। इस सप्ताह के अंतिम दिनों में बैंक लगातार 3 दिन बंद रहने वाले हैं। इन छुट्टियों में साप्ताहिक और चौथा शनिवार शामिल है। दरअसल, 24 अगस्त को चौथे शनिवार के कारण बैंकों की छुट्टी है। 25 अगस्त को रविवार होने के कारण बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी और 26 अगस्त सोमवार को जन्माष्टमी की वजह से देश भर के सभी बैंक बंद रहेंगे। 24 अगस्त से 26 अगस्त तक लगातार बैंकों की छुट्टी रहेगी। इसके अलावा 31 अगस्त शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे। बता दें कि फंड ट्रांसफर, एफडी अकाउंट ओपनिंग, या मिनी स्टेटमेंट जैसी सेवाओं का लाभ आप घर बैठे बैंकिंग ऐप या इंटरनेट बैंकिंग के जरिये भी उठा सकते हैं। वहीं अगर आपको कैश निकालना हो तो आप एटीएम का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि, चेक और ड्राफ्ट जैसी सेवाओं के लिए आपको बैंक के खुलने का इंतजार करना होगा।

जोमैटो ने इंटर सिटी डिलीवरी सर्विस बंद की

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपनी इंटर सिटी डिलीवरी सर्विस लेजेंड्स को तत्काल बंद करने का फैसला किया है। लेजेंड्स सेवा के तहत जोमैटो कुछ चुनिंदा शहरों के मशहूर उत्पादों को दूसरे शहरों में आपूर्ति करती थी। कंपनी ने 2 साल पहले जब इस सेवा की शुरुआत की थी तो कहा था कि इस क्षेत्र में काफी संभावनाए हैं। कंपनी ने इसे इसी साल अप्रैल में सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद जुलाई में फिर से इसे शुरू किया गया था। जोमैटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि जोमैटो लेजेंड्स को बाजार के अनुकूल नहीं पाए जाने पर हमने इसे तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। लीजेंड्स के तहत देश के 10 शहरों के मशहूर भोजन देश के दूसरे हिस्सों में भेजे जाते थे। जोमैटो ने 2022 में अपनी इस सेवा की शुरुआत की थी। पहले इसके लिए कोई मिनिमम ऑर्डर की लिमिट नहीं थी। इसके बाद 5000 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर की अनिवार्यता कर दी गई ताकि मुनाफा बढ़ाया जा सके। इसके बावजूद कंपनी को इसका वित्तीय औचित्य समझ नहीं आ रहा था। कंपनी ने एक ब्लॉगपोस्ट में लिखा था, भारत के हर गली-नुक्कड़ पर एक हीरा छुपा है। 100 से अधिक एयरपोर्ट और भांति-भांति के पकवान के साथ देश के इस क्षेत्र में बहुत कुछ है। इंटरसिटी लेजेंड्स ऐसे में कितना बड़ा हो सकता है इसकी कोई सीमा नहीं। इससे पहले जोमैटो ने अपनी एक्सट्रीमी सर्विस को भी बंद कर दी थी।

फिल्म खेल खेल में की दैनिक कमाई में गिरावट जारी

छठे दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, फरदीन खान, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म खेल खेल में शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है।पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई में उतार-चढ़ाव जारी है। हर गुजरते दिन के साथ फिल्म का कारोबार लगातार घटता जा रहा है।आइए जानते हैं छठे दिन खेल खेल में का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, खेल खेल में ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 1.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 17.15 करोड़ रुपये हो गया है।खेल खेल में के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।इस फिल्म को 100 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है। बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में का सामना राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 से हो रहा है। इस फिल्म में अक्षय ने भी मेहमान की भूमिका निभाई है।इस फिल्म ने महज 6 दिन में 254.55 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।इसके अलावा जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।

सनी लियोनी की फिल्म कोटेशन गैंग की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

नया पोस्टर आया सामने

अभिनेत्री सनी लियोन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कोटेशन गैंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके लिए दर्शकों को और इंतजार करना पड़ेगा। अब यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। सनी लियोनी की कोटेशन गैंग अब 30 अगस्त को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। इसमें अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन भी हैं। सनी ने इंस्टाग्राम पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। साथ ही एक नया मोशन पोस्टर भी जारी किया, जिसमें फिल्म में उनका तीव्र अवतार दिखाया गया है। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कोटेशन गैंग 30 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। पिछले महीने, सनी ने फिल्म का पहला लुक जारी किया था, जिसमें वह चेकर्ड शर्ट और स्कर्ट में दिखाई दी थीं, जिसमें प्रिया मणि के किरदार के साथ ग्रामीण लुक में दिखाई दे रही थी। सनी ने इस फिल्म के लिए ग्लैमरस अवतार को त्याग दिया है और खुद को एक बोल्ड ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में ढाल लिया है। कोटेशन गैंग में सनी एक हत्यारे और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग में माहिर एक क्रूर गिरोह के प्रमुख सदस्य की भूमिका निभाती नजर आएंगी। वर्तमान में, सनी युवा-आधारित रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 15 की मेजबानी कर रही हैं और रंगीला, वीरमादेवी, कोका कोला, हेलेन और यूआई जैसी आगामी फिल्मों में भी दिखाई देंगी।

बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की वेदा का हाल-बेहाल

लाखों में सिमटी दैनिक कमाई

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा का बॉक्स ऑफिस पर कुछ ही दिनों में बुरा हाल हो गया है। जबरदस्त एक्शन से भरपूर इस फिल्म की दैनिक कमाई चंद दिनों में लाखों में सिमट गई है।दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।आइए जानते हैं वेदा के खाते में छठे दिन कितने लाख रुपये आए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया।इसी के साथ अब इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 16.10 करोड़ रुपये हो गया है।वेदा का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, वहीं इसकी कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है।जॉन ने इस फिल्म का निर्माण उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी के साथ मिलकर किया है। वेदा में अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।बॉक्स ऑफिस पर वेदा का सामना राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 से हो रहा है, जिसने महज 6 दिन में 254.55 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकीं अदिति शर्मा ने बताया अपना अनुभव

स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकीं अभिनेत्री अदिति शर्मा ने बताया कि अपने डर का सामना करने की यात्रा करने में वह जिस तरह से आगे बढ़ी हैं, उसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। शो के चौथे हफ्ते में अदिति के सफर का अंत एक बड़ी चुनौती के साथ हुआ। बिच्छुओं से जुड़े एक स्टंट में उनका सामना शालीन भनोट से हुआ। अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद अदिति शालीन से हार गईं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अदिति ने कहा, मैं खुद को खोजने के इस अविश्वसनीय सफर के लिए खतरों के खिलाड़ी 14 का शुक्रिया अदा करती हूं। अपने सबसे गहरे डर का सामना करने से लेकर खतरे का सामना करने तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ी हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा, मैं इस यात्रा के हर पल, हर दोस्त के लिए आभारी हूं। इस अनुभव ने मुझे सिखाया है कि सच्चा साहस निडर होने के बारे में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने पर भी खुद में बने रहने के बारे में है। यह शो रोमानिया के बुखारेस्ट में फिल्माया गया है और इसकी मेजबानी रोहित शेट्टी कर रहे हैं। प्रतिभागियों की वर्तमान लाइनअप में आशीष मेहरोत्रा, अभिषेक कुमार, गशमीर महाजनी, करण वीर मेहरा, निमृत कौर अहलूवालिया, नियति फतनानी, शालीन भनोट और सुमोना चक्रवर्ती हैं। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है। नई दिल्ली की रहने वाली अदिति ने 2017 में गुरु रंधावा के साथ तारे नामक एक संगीत वीडियो से अभिनय की शुरुआत की थी। बाद में वह दो पंजाबी संगीत वीडियो नान और बेकड़ा और एक हरियाणवी संगीत वीडियो तू राजा की राज दुलारी में दिखाई दी थीं। उन्होंने 2018 में जी टीवी के कलीरें में अरिजीत तनेजा के साथ मीरा ढींगरा कपूर के रूप में टेलीविजन पर शुरुआत की थी। अदिति ने ये जादू है जिन का में रोशनी चौधरी खान और रब से है दुआ में दुआ सिद्दीकी अख्तर की भूमिका निभाई, उन्हें नागिन 3 में एक कैमियो में भी देखा गया था। 27 वर्षीय अभिनेत्री ने वेब सीरीज क्रैश में काम किया है, जो ऑल्ट बालाजी और जी5 पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें जैन इमाम, रोहन मेहरा, कुंज आनंद और अनुष्का सेन हैं। इसे निकिता धोंड ने लिखा और कुशाल जावेरी ने निर्देशित किया है। प्रीति गुप्ता इसकी सह-निर्देशक हैं। प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ एकता कपूर ने इसका निर्माण किया है।

नरगिस फाखरी ने ऑफ शोल्डर गाउन में गिराई बिजली

एक्ट्रेस की सेक्सी अदा ने फैन्स को किया घायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी हमेशा अपनी एक्टिंग के जरिए लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है। बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसने फैन्स का दिल जीत लिया है. नरगिस ने चॉकलेट रंग का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है, जिसमें उनकी खूबसूरती देखते ही बनती है. इस गाउन के साथ हल्का मेकअप, खुले बाल और सिल्वर ब्रेसलेट ने उनके लुक को और भी आकर्षक बना दिया है. तस्वीर में नरगिस अपनी कातिलाना अदाओं से सबको घायल करती नजर आ रही हैं. उनकी इस सेक्सी पोज़ ने फैन्स के बीच हलचल मचा दी है, और कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बाढ़ आ गई है. नरगिस फाखरी की इस तस्वीर को देखकर साफ है कि उनका स्टाइल सेंस बेहद शानदार है और वे फैशन के मामले में हमेशा एक कदम आगे रहती हैं. उनकी इस नई तस्वीर ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वे बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बी-टाउन की खूबसूरत और हॉट हसीनाओं में से एक नरगिस फाखरी किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जलवा फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोगों की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

सरकटे के आंतक संग स्त्री 2 का कहर जारी

श्रद्धा कपूर की फिल्म पार किया 250 करोड़ का आंकड़ा

स्त्री 2 का कहर और सरकटे का आतंक बॉक्स ऑफिस पर अभी भी जारी है. स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 6 दिन पूरे कर लिए हैं. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। यह फिल्म शुरुआत से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है।महज 6 दिन में इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।अब स्त्री 2 की कमाई के छठे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो कामकाजी दिन के मुताबिक बेहतरीन हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, स्त्री 2 ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 254.55 करोड़ रुपये हो गया है।50 करोड़ रुपये की लागत में इस फिल्म ने 51.8 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी।श्रद्धा और राजकुमार के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। स्त्री 2 के निर्देशन की कमान अमर कौशिक ने संभाली है, दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे इसके निर्माता हैं।फिल्म की कहानी निरेन भट्ट ने लिखी है। फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है।स्त्री 2 साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री की दूसरी किस्त है।लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 180.76 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

तेलुगू वर्जन में मुफासा की आवाज बनकर दहाड़ेंगे महेश बाबू

26 अगस्त को रिलीज होगा ट्रेलर

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू को आगामी डिज्नी फिल्म मुफासा: द लॉयन किंग की टीम में शामिल हो गए हैं. फिल्म के हिंदी वर्जन में जहां बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान मुफासा की आवाज बने है, वहीं तेलुगू वर्जन में मुफासा के लिए महेश बाबू को आवाज देने के लिए चुना गया है. डिज्नी इंडिया ने इस खबर की पुष्टि की है. साथ ही मुफासा: द लॉयन किंग के तेलुगू वर्जन के बारे में भी अपडेट दिया गया है. वॉल्ट डिज्नी स्टूडियोज इंडिया ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर मुफासा: द लॉयन किंग के तेलुगू वर्जन के बारे में अपडेट साझा किया है. मेकर्स ने मुफासा का तेलुगू वर्जन में पोस्टर पोस्ट किया है. इस उन्होंने महेश बाबू की तस्वीर के साथ जोड़ा है. पोस्टर साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, जंगल लाइफ के सुप्रीम किंग को जीवंत करना. सुपरस्टार महेश को तेलुगू में मुफासा की आवाज के रूप में पेश करने के लिए एक्साइडेट हूं. सोमवार को रिलीज होने वाला तेलुगू ट्रेलर देखें मुफासा: द लायन किंग. बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए मुफासा की आवाज देंगे, जबकि आर्यन खान सिम्बा की आवाज देंगे और अबराम खान युवा मुफासा की आवाज देंगे. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने मुफासा: द लॉयन किंग के तेलुगू वर्जन के ट्रेलर के बारे में बताया है. तरण के मुताबिक, मुफासा: द लॉयन किंग का तेलुगू ट्रेलर 26 अगस्त 2024 को सुबह 11.07 बजे लॉन्च किया जाएगा. फिल्म इस साल क्रिसमस के मौके पर 20 दिसंबर 2024 को चार भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगू में सिनेमाघरों में आ रही है.